हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 45, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 12 अगस्त, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

राजद्रोह अपराध को खत्म कर लाया जाएगा नया कानून : शाह

आईपीसी, दंड प्रक्रिया संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए लोकसभा में 3 विधेयक पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) पर नया विधेयक राजद्रोह के अपराध को पूरी तरह से निरस्त कर देगा। शाह ने आईपीसी, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए।

शाह ने कहा कि आगामी 15 अगस्त को आजादी का अमृत महोत्सव समाप्त होगा और 16 अगस्त से आजादी की 100 वर्ष की यात्रा की शुरूआत के साथ अमृत काल का आरंभ होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन में देश के सामने पांच प्रण रखे थे जिनमें एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। अमित शाह लोकसभा में कहा कि आज मैं जो तीन विधेयक एक साथ लेकर आया हूं। ये सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच प्रणों में से एक को पूरा करने वाले हैं। इन तीन विधेयक में एक है इंडियन पीनल कोड (आईपीसी), एक है क्रिमिनल

प्रोसीजर कोड (सीआरपीसी), तीसरा है इंडियन एविडेंस कोड। उन्होंने कहा कि इंडियन पीनल कोड 1860 की जगह, अब भारतीय न्याय संहिता 2023 होगा। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 प्रस्थापित होगी और इंडियन एविडेंट एक्ट, 1872 की जगह 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम' प्रस्थापित होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने 2019 में ही हम सबका मार्गदर्शन किया था कि अंग्रेजों के बनाए हुए जितने भी कानून हैं उन पर सोच-विचार और चर्चा करके उन्हें आज के समय के अनुरूप और भारतीय समाज के हित में बनाया जाना चाहिए। वहीं से यह प्रक्रिया शुरू हुई। शाह ने कहा कि ये कानून अंग्रेज शासन को मजबूत करने एवं उनकी रक्षा के लिए उन्होंने बनाए थे। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य दंड देना था, न्याय देना नहीं। शाह ने कहा, नए कानून में सबसे पहला अध्याय महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध से संबंधित होगा और दूसरे अध्याय में मनुष्य हत्या के अपराध से जुड़े प्रावधान होंगे। उन्होंने बताया कि नए कानून में मॉब लिचिंग (भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या) के लिए सात साल या आजीवन कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान होगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने राजद्रोह पर कानून बनाया था, लेकिन हम राजद्रोह के कानून को पूरी तरह खत्म करने जा रहे हैं।

हालांकि, विधेयक में देश के विरुद्ध अपराध का प्रावधान है। विधेयक की धारा 150 में भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों से संबंधित सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा, 1860 से 2023 तक देश की आपराधिक न्याय प्रणाली अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार काम करती थी। इन तीन कानूनों के साथ देश में आपराधिक न्याय प्रणाली में एक बड़ा बदलाव आएगा। अमित शाह ने कहा, इन विधेयक का उद्देश्य अदालतों में दोषसिद्धि की दर को 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। इसीलिए हम एक महत्वपूर्ण प्रावधान लेकर आए हैं कि जो धाराएं सात साल या उससे ज्यादा जेल की सजा का प्रावधान करती हैं, उन सभी के तहत मामलों में फॉरेंसिक टीम का अपराध स्थल पर जाना अनिवार्य किया जाएगा। विधेयक में प्रमुख रूप से मॉब लिंचिंग के खिलाफ एक नया दंड संहिता, नाबालिगों से दुष्कर्म के लिए मौत का प्रावधान और सिविल सेवकों पर मुकदमा चलाने के लिए समयबद्ध मंजूरी शामिल है।

आप सांसद राघव चड्ढा राज्यसभा से निलंबित

नई दिल्ली। आप सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। विशेषाधिकारी समिति की रिपोर्ट आने तक राघव चड्ढा राज्यसभा से निलंबित रहेंगे। दिल्ली सेवा विधेयक को लेकर पांच सांसदों के फर्जी हस्ताक्षर के मामले में आप सांसद पर यह कार्रवाई हुई है। राघव चड्ढा पर आरोप है कि उन्होंने सांसदों की मंजूरी के बिना उनकी सदस्यता वाली समिति के गठन का प्रस्ताव दिया था, जो कि नियमों का उल्लंघन है। अब विशेषाधिकार समिति इस मामले की जांच करेगी। विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक राघव चड्ढा राज्यसभा से निलंबित रहेंगे। राघव चड्ढा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है और कहना है कि उनके खिलाफ फर्जी प्रोपेगैंडा चलाया जा रहा है। राघव चड्ढा ने भाजपा को चुनौती देते हुए उनके कथित फर्जी हस्ताक्षर वाले दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की। आप सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। राज्यसभा की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया कि सभापति को सांसदों सस्मित पात्रा, एस फेंगोन कोन्याक, एम थंबीदुरई, सुधांशु त्रिवेदी और नरहरि अमीन ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि बिना उनकी मंजूरी के उनके नाम शामिल किए गए, यह राज्यसभा की कार्यवाही प्रक्रिया के नियमों का उल्लंघन है।

'अखिलेश यादव शिवपाल की कीमत कभी नहीं समझेंगे': सीएम योगी का विपक्ष पर हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा को संबोधित करते हुए शुक्रवार को समाजवादी पार्टी और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सपा को नसीहत देते हुए कहा कि मुझे नेता विरोधी दल का भाषण सुनकर यही लगा कि 2014, 2017, 2019 और 2022 में जनादेश में ऐसे ही नहीं मिला है। योगी ने दुष्यंत कुमार की एक कविता का जिक्र करते हुए कहा - "तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं"...कुल मिलाकर यहां जमीनी हकीकतों की कोई चर्चा नहीं है। क्योंकि जो लोग बचपन से चांदी की चम्मच से खाने के आदि हैं, वे गरीब की समस्या को क्या समझेंगे? वो गरीब की पीड़ा को क्या समझेंगे? ये लोग किसान की पीड़ा को क्या समझेंगे? एक दलीत की पीड़ा को क्या समझेंगे? इन लोगों ने अति पिछड़ा वर्ग और पिछड़ा वर्ग के साथ क्या व्यवहार किया था, वो किसी से छुपा नहीं है, उसे पूरा प्रदेश जानता है।

'सांड सपा के कालखंड का हिस्सा है'- सपा ने अपने कालखंड में किसानों का थोड़ा भी ध्यान रखा होता, तो उत्तर प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक किसानों ने आत्महत्या नहीं की होती। सीएम योगी ने कहा कि ये लोग अन्नदाता किसान के महत्व को नहीं समझेंगे। आप जिस

सांड की बात कर रहे हैं, ये सांड भी उसी का हिस्सा है। आपके समय में ये बूचड़खानों के हवाले होता था। इसलिए आपको उस सच्चाई को स्वीकार करना चाहिए।

'शिवपाल यादव के साथ अन्याय हुआ है'- उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि परिवारवाद में जब सत्ता का संघर्ष बढ़ता है, तो कुछ न कुछ चीजें सामने आएंगी। शिवपाल यादव पुराने अनुभवी नेता हैं। उन्होंने इतना पापड़ बेला है, उसका कुछ तो परिणाम सामने आएगा। योगी ने कहा कि शिवपाल जी आपके साथ अन्याय हुआ है। ये लोग आपके साथ न्याय नहीं करेंगे। अखिलेश यादव आपकी कीमत को कभी नहीं समझेंगे।

हम तो नंदी के रूप में करते हैं सांड की पूजा, शिवपाल से बोले योगी- इनको समझाते क्यों नहीं

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अलग-अलग तमाम मुद्दों पर हुई चर्चा का जवाब दिया। योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण की शुरूआत दुष्यंत कुमार की लाइन से की। अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए सीएम ने कहा कि- तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं...कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं। योगी ने अखिलेश को जवाब दिया। कहा- जिन सांड की बात आप कर रहे हैं। यही सांड आपके समय में बूचड़खाने में होते थे। हमारे समय में ये किसान पशुधन का पार्ट बने हैं। सांड के मुद्दे पर बोलते हुए सीएम योगी ने आगे कहा कि हम तो नंदी के रूप में उसकी पूजा करते हैं। शिवपाल जी क्या आप नंदी के रूप में पूजा नहीं करते। सीएम ने फिर कहा- शिवपाल जी आपकी कीमत यह लोग कभी नहीं समझ पाएंगे। आपके साथ अन्याय हुआ है।

गुजरात हाईकोर्ट से केजरीवाल-संजय को झटका, मानहानि केस में सुनवाई पर अंतरिम रोक की याचिका खारिज

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह द्वारा आपराधिक मानहानि मामले में उनके खिलाफ मुकदमे पर अंतरिम रोक लगाने के आवेदन को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति समीर जे दवे की पीठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री के संबंध में उनके व्यंग्यात्मक और अपमानजनक बयानों पर गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में मेट्रोपॉलिटन अदालत द्वारा सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाने की आप नेताओं की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने अरविंद केजरीवाल के वकील और पीपी मितेश अमीन की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को यह आदेश पारित किया। अहमदाबाद की एक मेट्रोपॉलिटन अदालत ने इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री के विवाद के संबंध में केजरीवाल और सिंह के कथित अपमानजनक बयानों पर गुजरात

विश्वविद्यालय द्वारा दायर मानहानि मामले में दोनों को 11 अगस्त के लिए तलब किया था। इससे पहले, पांच अगस्त को सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट अहमदाबाद ने रिवीजन पिटीशन का निपटारा होने तक मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगाने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इस आदेश को चुनौती देते हुए आप के दोनों नेताओं ने गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने रिवीजन पिटीशन पर शीघ्र सुनवाई के लिए अदालत से निर्देश देने का भी अनुरोध किया है। पीएम की डिग्री की जानकारी मांगने वाला मामला सात साल पुराना है। दरअसल अप्रैल 2016 में, केंद्रीय सूचना आयोग ने केजरीवाल से उनके चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) के बारे में जानकारी मांगी थी। इसी दौरान केजरीवाल ने आयोग से कहा था कि वह सीआईसी को अपने बारे में आवश्यक जानकारी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि पीएम को भी उनकी शैक्षिक डिग्री के विवरण का खुलासा करने के लिए कहा जाना चाहिए। केजरीवाल के जवाब को सीआईसी ने बतौर एक नागरिक का आरटीआई आवेदन माना।

बावला-बगोदरा हाईवे पर भीषण सड़क हादसा आपस में टकराए दो ट्रक, 10 लोगों की दर्दनाक मौत

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में भीषण सड़क हादसा होने से 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, बावला-बगोदरा हाईवे पर एक मिनी ट्रक के दूसरे ट्रक से टकराने से यह भीषण हादसा हुआ है। अहमदाबाद ग्रामीण एसपी ने बताया, "बावला-बगोदरा हाईवे पर एक मिनी ट्रक के दूसरे ट्रक से टकरा जाने से 10 लोगों की मौत हो गई।" राष्ट्रीय राजमार्ग पर बगोदरा के पास एक छोटे ट्रक के सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा जाने से लगभग 10 लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब मिनी ट्रक में सवार लोग चोटिला से दर्शन कर के लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मिनी ट्रक चोटिला से दर्शन कर अहमदाबाद आ रहे थे। इसके बाद छोटा हाथी एक खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में घुस गया। सामने तीन लोग और पीछे 10 लोग बैठे थे। इस गंभीर हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही

पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। तीनों घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में पांच महिलाएं, दो पुरुष और तीन बच्चे शामिल हैं। बगोदरा के पास हुए हादसे के सभी पीड़ित कापड़वंज के सुनादा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

'पीएम मोदी ने मणिपुर पर सिर्फ दो मिनट बात की, वे संसद में लगातार हंस रहे थे' राहुल गांधी का हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने कल लोकसभा में दो घंटे 13 मिनट का भाषण दिया। इसमें से सिर्फ दो मिनट उन्होंने मणिपुर की बात की। राहुल ने कहा कि मणिपुर में महीनों से आग लगी है, लोग मारे जा रहे हैं, दुष्कर्म हो रहे हैं, बच्चों को मारा जा रहा है और प्रधानमंत्री हंस-हंसकर बात कर रहे थे। मजाक कर रहे थे। ये हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। कांग्रेस सांसद ने कहा, मैं लगभग 19 वर्षों से राजनीति में हूं और मैंने लगभग सभी राज्यों का दौरा किया है, लेकिन मणिपुर में मैंने जो देखा और सुना, वह अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने भारत माता की हत्या की है, मणिपुर में भारत को खत्म कर दिया है। ये खोखले शब्द नहीं

हैं...मणिपुर में, जब हमने मैतेई क्षेत्र का दौरा किया, तो हमें स्पष्ट रूप से बताया गया कि यदि हमारे सुरक्षा दस्ते में कोई कुकी है, तो उन्हें यहां नहीं लाया जाना चाहिए, क्योंकि वे उस व्यक्ति को मार देंगे। जब हम कुकी क्षेत्र में गए, तो हमें बताया गया कि हम जो भी मैतेई व्यक्ति लाएंगे, वे उसे गोली मार देंगे... तो, यह एक राज्य नहीं है, दो राज्य हैं। राज्य की हत्या हो गई है और उसको चीर दिया गया है। मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय सेना इस नाटक को दो दिन में रोक सकती है, लेकिन पीएम मणिपुर को जलाना चाहते हैं और आग को बुझाना नहीं चाहते। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री कम से कम मणिपुर जा सकते थे, समुदायों से बात कर सकते थे और कह सकते थे कि मैं आपका प्रधानमंत्री हूं, आइए बात शुरू करें, लेकिन मुझे कोई इरादा नजर नहीं आता... सवाल यह नहीं है कि 2024 में मोदी पीएम बनेंगे या नहीं, सवाल मणिपुर का है, जहां बच्चों को, लोगों को मारा जा रहा है।

बस-ट्रक की भिड़ंत में दो महिलाओं समेत चार की मौत, दर्जन भर घायल

बुलंदशहर। बुलंदशहर में अलीगढ़-गाजियाबाद नेशनल हाइवे 34 पर बस व ट्रक की हुई टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं 12 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू हो गया। जिला अस्पताल में घायलों का उपचार शुरू कर दिया गया है। हादसे के बाद हाइवे पर जाम लग गया। क्रेन से हाइवे से ट्रक व बस को हटाकर यातायात सुचारू कर दिया गया है। कोतवाली देहात क्षेत्र के अलीगढ़-गाजियाबाद नेशनल हाइवे 34 पर शुक्रवार की दोपहर साहिबाबाद डिपो की बस बदायूं से गाजियाबाद बुलंदशहर होते हुए जा रही थी। बुलंदशहर से जब बस अडोली मोड से नेशनल हाइवे के लिए मुड़ी, तो सामने से साहिबाबाद से अलीगढ़ की ओर से आ रहे ट्रक ने बस के पीछे के हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी। इससे बस में सवार दो महिला समेत चार की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हो गए। घायलों में बदायूं व संभल के यात्री हैं। घायल अभिषेक, राहुल, दीपिका,विरेन्द्र, तेजपाल, राजेश, पिंटू, राजकुमार, सर्वेश व दीपक समेत 12 हैं। वहीं मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। बस में 38 यात्री सवार थे। हादसे के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों का चिकित्सकों ने उपचार शुरू कर दिया। वहीं शवों को पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचाया गया। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने मौके पर पहुंचे और बाद में अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। साथ ही सीएमओ व सीएमएस को घायलों को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। उधर हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर जाम लगाया गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से बस व ट्रक को हटाकर यातायात को सुचारू कराया। एसपी सिटी सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। घायलों का उपचार कराया जा रहा है।

यूपी विधानसभा में गूंजा मेरठ में घर में घुसकर गोली मारने का मुद्दा, अखिलेश बोले- बेडरूम में घुस रहे अपराधी

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें दिन नेता विपक्ष अखिलेश यादव सदन में योगी आदित्यनाथ सरकार पर बिजली व्यवस्था, कानून व्यवस्था व बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल करते हुए जमकर बरसे। अखिलेश ने इस दौरान मेरठ में घर में घुसकर पति-पत्नी को गोली मारने के मुद्दे को भी उठाया। विधानसभा में यह मुद्दा जमकर गूंजा। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पर सरकार की जीरो टालरेंस नीति पूरी तरह से विफल है। अपराधी घर में घुसकर बेडरूम में जाकर गोली मार रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि कल में सदन में था। वैसे तो मोबाइल सदन में आन नहीं करना चाहिये लेकिन मैंने किया। तभी मुझे सूचना मिली कि अपराधियों ने मेरठ में एक जैन परिवार के घर में घुसकर बेडरूम में जाकर हत्या कर दी। सोचिये आप। जीरो टालरेंस रखते हैं कानून व्यवस्था रखते हैं। ये कल की घटना है। मेरठ जैसे शहर में जो दिल्ली से सटा हुआ है। अखिलेश ने कहा कि ये एक घटना नहीं है। उत्तर प्रदेश में, न जाने कितनी घटनायें हैं। एनसीआरबी का डाटा देख लीजिये आप। अखिलेश ने हमलावर होते हुए कहा कि ये सरकार वो है जो आंकड़ों से खिलवाड़ कर रही है। कानून व्यवस्था पर जीरो टालरेंस की बात करने वाले लोग और उनकी पार्टी के लीडर्स क्या कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर हमलावर होते हुए

अखिलेश ने उन्हें छापामार मंत्री कह दिया। बोले कि आप डिप्टी सीएम हैं और प्रदेश में अस्पतालों में जाकर छापा मारते हैं। आप तो बहुत काम कर सकते हैं। उम्र में आप वित्त मंत्री से छोटे हैं। कद में हम सबसे बड़े हैं। ऐसे में आप बहुत काम कर सकते हैं। लेकिन आपको छापा मारने से ही फुर्सत नहीं मिलती है। अखिलेश ने सिर्फ प्रदेश की कानून व्यवस्था ही नहीं स्वास्थ्य सेवाओं और बिजली व्यवस्था पर भी हमला बोला। प्रदेश की बिजली व्यवस्था को ध्वस्त करने का अखिलेश यादव ने नेता सदन योगी आदित्यनाथ पर आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश की बदहाल बिजली व्यवस्था के लिए नेता सदन जिम्मेदार हैं। वहीं, अखिलेश ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि जहां डॉक्टर आपरेशन कर रहे हैं वहां सांड घुस रहे हैं। कुत्ते अस्पतालों में मरीजों को नोच रहे हैं। नेता विपक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी से पूछा, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम कहां है, फ्रेट कॉरिडोर कहां है। अगर यह आपने बनाया है तो यह गोरखपुर होकर क्यों नहीं जा रहा है। यह सब पिछली सरकारों का बनाया गया है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा, चैरिटी बिगिन्स एट होम, नेता सदन आपने अंग्रेजी अखबार को इंटरव्यू दिया है। गोरखपुर की कोई ऐसी गली बता दें जहां पानी न भरता हो। साढे छह से सीएम हैं लेकिन आप अपने क्षेत्र में जलभराव नहीं ठीक करा पा रहे हैं।

राहुल गांधी की सजा बरकरार रखने वाले जज का तबादला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने देश के विभिन्न हाईकोर्ट्स में 23 जजों के तबादले की सिफारिश की है। जिन जजों का तबादला किया जाएगा, उनमें गुजरात हाईकोर्ट के जस्टिस हेमंत एम प्रछाक का नाम भी शामिल है। बता दें कि जस्टिस प्राछक ने बीती सात जुलाई को मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने की और इसमें जस्टिस किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल रहे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक तीन अगस्त को हुई। इस बैठक में 'बेहतर प्रशासन और न्याय' के लिए विभिन्न उच्च न्यायालयों में नौ जजों के तबादले की सिफारिश की। कॉलेजियम के प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। जिसके अनुसार, गुजरात हाईकोर्ट के चार, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चार और इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज का तबादला किया गया है। कॉलेजियम ने अपने प्रस्ताव में सिफारिश की है कि जस्टिस प्राछक को गुजरात हाईकोर्ट से पटना हाईकोर्ट भेजा जाए। जस्टिस प्राछक के अलावा गुजरात हाईकोर्ट के जिन तीन अन्य न्यायाधीशों का तबादला किया गया है, उनमें जस्टिस अल्पेश वाई कोगजे, जस्टिस कुमारी गीता गोपी और जस्टिस समीर जे दवे का नाम शामिल है। इन तीनों जजों को क्रमश इलाहाबाद हाईकोर्ट, मद्रास हाईकोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की गई है। वहीं पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से जस्टिस अरविंद सिंह सांगवान, जस्टिस अवनीश झिंगन, जस्टिस राज मोहन सिंह और जस्टिस अरुण मोंगा को क्रमशः इलाहाबाद हाईकोर्ट, गुजरात हाईकोर्ट, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक कुमार सिंह को मद्रास हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की गई है।

संपादकीय

तिरुमाला-तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष बने ईसाई विधायक?

तिरुमाला-तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष, तिरुपति से निर्वाचित विधायक करुणाकरण रेड्डी को बनाया गया है। यह नियुक्ति आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने की है।इस नियुक्ति की सूचना मिलने के बाद से ही, बड़ा बवाल मच गया है। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगू देशम ने प्रदेश भर में इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। टीडीपी का कहना है, कि ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले करुणाकरण रेड्डी को कैसे तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। 2006 में भी करुणाकरण रेड्डी, तिरुपति मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रहे हैं। उनके सरनेम के कारण लोग उन्हें हिंदू ही मानते थे। जब करुणाकरण की बेटी की शादी ईसाई रीति रिवाज के साथ हुई। उसके बाद लोगों को पता लगा, कि करुणाकरण ने ईसाई धर्म अपना लिया है।आंध्र प्रदेश की राजनीति में इस नियुक्ति के बाद तूफान आ गया है। इस तूफानी विवाद में भारतीय जनता पार्टी के नेता अपना अधिकृत बयान देने से बच रहे है। भाजपा के किसी भी नेता ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। हो सकता है, दिल्ली सेवा विधेयक को राज्यसभा से पास कराने को लेकर राज्यसभा में मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के समर्थन की आवश्यकता भाजपा को थी। इस कारण भी भारतीय जनता पार्टी के नेता अपनी चुप्पी साधकर बैठें हुए थे। भाजपा नेताओं का, अब यह कहना है, कि इस दौर में बच्चे अंतर जातिय और अंतर धर्म विवाह कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों के कारण माता-पिता को दंडित क्यों किया जाए। करुणाकरण रेड्डी ने कभी यह नहीं कहा, कि उन्होंने ईसाई धर्म स्वीकार किया है। हां उन्होंने अपनी बिटिया की शादी जरूर ईसाई रीति रिवाज से करने की सहमति दी थी। ईसाई रीति रिवाज से ही उनकी बेटी की शादी हुई है। भाजपा के नेता, अब धर्म को निजता का आधार मानकर बचने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है, कि बच्चों द्वारा लव मैरिज के दौरान जाति और धर्म का ध्यान नहीं रखा जाता है। धर्म किसी भी व्यक्ति की निजता का मामला है। इसको विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। भाजपा के नेता इस मामले में सार्वजनिक बयानबाजी से बच रहे हैं। बातचीत के दौरान वह अपनी निजी राय जरूर जाहिर कर रहे हैं। तिरुमाला-तिरुपति मंदिर भारत का सबसे धनी मंदिर है। इसकी आय भी सबसे ज्यादा है। प्रतिमाह इस संस्थान के करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। प्रतिमाह मंदिर को अरबो रुपए की आय होती है। राजनीति में भी इस मंदिर में बैठे हुए पदाधिकारियों को बड़ा लाभ मिलता है। ऐसी स्थिति में तिरुपति मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष पद पर हुई नियुक्ति को लेकर जो विवाद उत्पन्न हुआ है। इसके दूरगामी परिणामों से इंकार नहीं किया जा सकता है। टीडीपी ने जो मोर्चा खोला है, निश्चित रूप से राजनीतिक दृष्टि से टीडीपी को लाभ मिलना तय माना जा रहा है। भाजपा जरूर धर्म संकट में फंस गई है। भाजपा के लिए एक और कुआं और दूसरी और खाई है। किस का समर्थन करे, और किस का विरोध करें,यह भाजपा नेताओं को समझ मे नहीं आ रहा है।

कोशिशों पर पानी!

उत्तर में प्रति उत्तर ।
लिए हाथ में काम ।।
कोशिशों पर पानी ।
फिरे भले तमाम ।।
भटक रहा है ध्यान ।
हुई अनगिनत हार ।।
रहा हाल यदि ऐसे ।
ना मिलना फिर प्यार ।।
ढुलमुला रवैया ये ।
बन गया है काल ।।
मौका रहे तलाश ।
हो कैसे बवाल ।।
है जाना मैदान में ।
जाओ अब तो जाग ।।
बातें जो अनर्गल हैं ।
होगा देना त्याग ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अंधाधुंध शहरीकरण से जो समस्याएं खड़ी हो रही हैं उनका तत्काल निराकरण करना जरूरी है

दीपक कुमार त्यागी

भारत में पिछले कुछ दशकों में बहुत तेजी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की तरफ बड़ी आबादी का पलायन हुआ है, जिसके चलते ही देश में जगह-जगह अंधाधुंध अव्यवस्थित शहरीकरण हुआ है। हालांकि किसी क्षेत्र को शहरी क्षेत्र माने जाने के लिये कुछ आवश्यक मानदंड हैं, जिनके अनुसार उस क्षेत्र में 5000 या इससे अधिक व्यक्तियों की आबादी का निवास करना जरूरी है, वहां कि 75 फीसदी आबादी गैर-कृषि व्यवसाय करती हो, वहीं इस क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व भी 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर होना चाहिए। वहीं इसके साथ ही शहरी क्षेत्र के लिए कुछ अन्य विशेषताएँ भी होती हैं, जिसमें उस क्षेत्र में उद्योग-धंधे, व्यवस्थित आवासीय क्षेत्र, सुनियोजित ढंग से बिजली-पानी, सीवरेज की व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था होती है, ऐसे आबादी वाले क्षेत्र को ही शहर के अंतर्गत मानते हैं। इन सभी सुविधाओं से आकर्षित होकर व ग्रामीण क्षेत्रों की कठिन जीवनशैली के चलते ही देश में पिछले कुछ दशकों में लोगों ने रोजी-रोटी व सुविधाओं की तलाश में बड़े पैमाने पर गांव से शहरों की तरफ पलायन करने का कार्य देश में किया है, जिसके चलते ही आज हमारे देश में आलम यह हो गया है कि पुराने शहरों के अव्यवस्थित विस्तार के साथ ही कुकुरमुत्ते की तरह जगह-जगह अंधाधुंध वैध व अवैध शहरी क्षेत्र बन गये हैं, जिन क्षेत्रों के सभी निवासियों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारे सिस्टम के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती बन गयी है।

वैसे शहरीकरण से संबंधित अगर कुछ आँकड़ों को देखें तो स्पष्ट नजर आता है कि कभी गांवों का देश माने जाने वाला भारत अब तेजी से शहरों में बदल रहा है। इन आँकड़ों के अनुसार देश में वर्ष 2001 तक हम लोगों की आबादी का 27.81 फीसदी हिस्सा शहरों में रहता था। जबकि वर्ष 2011 के आँकड़ों के अनुसार यह स्थिति बदलकर 31.16 फीसदी तक पहुंच गई और वर्ष 2018 में तेजी के साथ बदलते हुए शहरीकरण का यह आँकड़ा बढ़कर 33.6 फीसदी तक पहुंच गया था, देश में शहरी आबादी में तेजी से हुई यह बढ़ोत्तरी बेहद आश्चर्यजनक है। वहीं देश में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार शहर-कस्बों की कुल संख्या 5,161 थी, जो कि वर्ष 2011 की जनगणना में तेजी से बढ़कर के 7,936 हो गई, वहीं अब नयी जनगणना में इस स्थिति में फिर से वृद्धि देखने को नजर आयेगी। वैसे भी देखें तो संयुक्त राष्ट्र की एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में विश्व की करीब आधी आबादी शहरों में निवास करने लगी है, वहीं जिस तेजी के साथ भारत में गांवों से रोजी-रोटी व सुविधाओं की तलाश में पलायन अनवरत चल रहा है, उसको देखकर लगता है कि वर्ष 2050 तक हमारे प्यारे भारत की भी आधी आबादी शहरों-कस्बों के क्षेत्र में आकर के निवास करने लगेगी। जो स्थिति यह दशार्ती है कि भारत में शहरीकरण बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। लेकिन देश में तेजी के साथ होते इस शहरीकरण का सबसे दुखद पहलू यह है कि हम लोग नित-नयी समस्याओं से जूझने के चलते औसत स्तर का जीवन जीने से भी वंचित होते जा रहे हैं। आज देश में शहरी क्षेत्रों में आलम यह है गया है कि शहरी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा लगभग 17.4 फीसदी लोग तो सुविधाओं के भारी अभाव के साथ ही झुग्गी-झोपड़ियों में जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं।

वहीं बाकी बची शहरी आबादी की बात करें तो उसके सामने भी तरह-तरह की ज्वलंत समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। देश में

तेजी के साथ होते शहरीकरण के चलते ही आज देश के अधिकांश शहर अव्यवस्थित शहरीकरण के गंभीर रूप से शिकार होकर के समस्याओं के अंबार से बुरी तरह से घिर गये हैं। शहरों के मूलभूत सुविधाओं के ढांचे पर तेजी से बढ़ती शहरी आबादी का बोझ इतना अधिक बढ़ गया है कि उस बोझ को उठाने में अब हमारे शहरों का सिस्टम जवाब देने लगा है, आज सिस्टम अपने शहर के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण एक औसतन जीवन शैली देने में भी विफल होते जा रहे हैं। आज शहर के लोगों के सामने 'सुरसा राक्षसी' की तरह गंभीर समस्याएं मुंह खोलकर उनको लीलने के लिए हर वक्त तैयार खड़ी हैं, शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से बढ़ती आबादी का बोझा उठाने में बार-बार विफल हो रहा है, जिसके चलते आये दिन छोटी बड़ी दुर्घटनाएं व समस्याएं देखने को मिल रही हैं। हाल ही में दिल्ली सहित देश के कुछ अन्य भू-भागों में आयी बाढ़ भी इस स्वरूप का एक हिस्सा था। आज शहरों में तेजी से बढ़ती आबादी को गुणवत्तापूर्ण रोजी-रोटी, शिक्षा, चिकित्सा, आवास, स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित कचरा निस्तारण प्रबंधन, स्वच्छ वायु, प्रदूषण मुक्त आवोहवा उपलब्ध करवाना, बेहतर परिवहन व्यवस्था, पार्किंग, सीवरेज सिस्टम उपलब्ध करवाना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गयी है। सिस्टम के सामने शहरों को झुग्गी-झोपड़ियों, गंदी मलिन बस्तियों की समस्या से निजात दिलवाने की बहुत बड़ी चुनौती खड़ी है। आज शहरों में सुचारू यातायात व्यवस्था, कानून व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा का माहौल बनाकर रखना एक बड़ी चुनौती है। तेजी से शहरीकरण की प्रक्रिया के चलते आज संयुक्त परिवार एकाकी परिवार में बदल रहे हैं, देश के शहरों में परिवारों का आकार बहुत तेजी के साथ सिकुड़ता जा रहा है, आपसी रिश्ते व नातेदारी के संबंध बेहद कमजोर हुए हैं, जिसके चलते इन तेजी से विघटित होते परिवारों की अपनी ही बेहद गंभीर समस्याएं हैं, उनका निदान करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। समाज में व्याप्त आर्थिक असमानता और निर्धनता के चलते लोगों व सिस्टम के सामने विभिन्न प्रकार की गंभीर समस्याएं हर वक्त खड़ी रहती हैं। देश में शहरों के अव्यवस्थित विकास के चलते प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, जिससे चलते गंभीर प्रवृत्ति की पर्यावरण व प्रकृति से जुड़ी नित-नयी गंभीर समस्याएं खड़ी हो रही हैं। हमारे प्यारे भारत में शहरों में जातीय, धार्मिक व सामाजिक असंतुलन भी विभिन्न तरह की समस्याओं का समय-समय पर जन्मदाता बनता ही रहता है। शहरीकरण के चलते गांव व शहर दोनों जगहों पर ही लैंगिक अनुपात में अंतर पैदा हो रहा है, जो कि परिवार व समाज में विभिन्न समस्याओं की जननी है। हालांकि तेजी से होते शहरीकरण की प्रक्रिया ने देश में कुछ बेहद आवश्यक सकारात्मक बदलाव करने के कार्य भी किये हैं, शहरों में आकर लोगों की आय में वृद्धि तो हुई है। उनका परिवार पढ़ाई लिखाई, महिलाओं व बच्चों के घरेलू व सामाजिक हालातों को बेहतर करने पर ध्यान देता है, जिसके चलते शहरी क्षेत्रों में महिलाओं व बच्चों की परिस्थिति ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में काफी बेहतर है, वहीं शहरीकरण ने तेजी के साथ सकारात्मक रूप से देश की राजनीतिक परिस्थितियों में व्यापक बदलाव करते हुए, देश के चुने हुए जनप्रतिनिधियों को आम जनमानस के प्रति जवाबदेह बनाने का एक कार्य भी किया है। लेकिन देश को विकसित बनाने के लिए अब यह आवश्यक है कि हम शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए दोनों जगह पर लोगों के जीवन को सुविधा युक्त करने का कार्य करें और दोनों जगह की आबादी में संतुलन बनाए रखने का कार्य समय रहते ही शुरू कर दें।

रिवाजों की गिरफ्त से छूटना मुश्किल

सदाशिव श्रोत्रिय

किसी समाज की दैनंदिन आवश्यकताओं की पूर्ति और उसमें प्रचलित रिवाजों के बीच हमेशा से एक गहरा संबंध रहा है। रिवाजों का अनुसरण लोग आमतौर पर बिना किसी सवाल के करते हैं और अपनी प्रतिदिन की आवश्यकताओं के उत्तर अपने समुदाय के प्रचलित रिवाजों में खोजने की कोशिश करते हैं।

मसलन, जब कोई बच्चा बड़ा होने लगता है तो उसके माता-पिता आजकल तुरंत उसे ह्यकिसी स्कूल में डालनेह्ल की बात करने लगते हैं। ऐसा न करने पर वे शायद अपने आप को अपराधी भी महसूस करने लगते होंगे। रिवाजों की गिरफ्त से छूटना मुश्किल है, क्योंकि किसी संकट के समय वे ही कुछ प्रश्नों का उत्तर देने में समर्थ होते हैं। उदाहरण के लिए किसी त्योहार को हम कैसे मनाएं या अपनी लड़की की शादी किस तरह करें या किसी नजदीकी रिश्तेदार की मृत्यु हो जाने पर हमें क्या करना होगा आदि बातों का जवाब हमें अपने समुदाय में प्रचलित रिवाजों में मिलता है। वह अधिकतर लोगों को मालूम होता है। किसी समुदाय में प्रचलित रिवाज उस समुदाय के हर सदस्य के लिए संकटकाल में एक सुनिश्चित मार्गदर्शन और आलंबन का काम करते हैं।

कुछ रिवाजों की उपस्थिति हमें अपने जीवन में दिखाई भी नहीं देती है। जैसे सुबह उठते ही हमारा एक प्याला चाय पीना या हर रोज सुबह ताजा अखबार पढ़ना। किसी का प्रतिदिन किसी मंदिर में जाना, संध्या-हवन-आरती आदि करना धीरे-धीरे उस व्यक्ति के लिए एक अनिवार्य गतिविधि बन जाता है और वह उस व्यक्ति के समुदाय में प्रचलित होकर कई बार एक रिवाज का रूप ले लेता है। धीरे-धीरे ये रिवाज इन लोगों के समय की बबार्दी के सबसे बड़े कारण भी बन सकते हैं। देखा जा सकता है कि आज के समय में कितने लोग प्रतिदिन अपना बहुत-सा वक्त अपने परिचितों को सुबह-सुबह ह्यगुड मार्निंगह्ल संदेश भेजने में खर्च करने लगे हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लोग अपने या अपनों के जन्मदिन, शादी की सालगिरह की बधाई आदि का इजहार करते हैं और उसके एवज में पसंदगी, टिप्पणियां और शुभकामनाओं की उम्मीद भी लगाए रहते हैं।

हम जानते हैं कि सोशल मीडिया पर कई उद्गार बहुत गंभीर और सच्चे नहीं होते और केवल औपचारिकता के लिए अभिव्यक्त किए जाते हैं। इस तरह आदमी आजकल कई बार अपने आप के प्रति भी सच्चा नहीं रह पाता। रिवाज कई बार इस तरह किसी समाज में दिखावटी और अगंभीर आचरण के जनक बन जाते हैं। उपभोक्तावाद और मुनाफाखोरी पर टिकी आज की सभ्यता तरह-तरह की चीजें और सेवाएं बेच कर मुनाफा कमाने के चक्कर में रहती है और वह बड़ी चालाकी से नए-नए रिवाजों की शुरूआत करने और उनके सार्वजनिक प्रचलन की कोशिश करती रहती है। शादी-ब्याह जैसे मौकों के लिए लोग अपने संचित धन की थैली उदारतापूर्वक खोलने को तैयार रहते हैं।

इस सभ्यता ने हमारे देखते-देखते परंपरागत घोड़ी-बाजे और बारात के साथ-साथ स्वरुचि-भोज, विवाह-पूर्व फोटो सत्र, किसी पर्यटन स्थल पर विवाह के बाद नवविवाहितों की विदेश-यात्रा जैसे महंगे कार्यक्रमों को धीरे-धीरे हर मध्यवर्गीय विवाह-समारोह का अविभाज्य हिस्सा बना दिया है। शिक्षा संस्थाओं में विद्यार्थियों की अनेक गतिविधियां अक्सर एक रिवाज का रूप ले लेती हैं। प्रवेश, हाजिरी, छात्र-संघ चुनाव, परीक्षा आदि रिवाजों का विद्यार्थी के शिक्षित और ज्ञानवान होने से भला क्या सीधा संबंध है? इन रिवाजों की अनिवार्यता से वास्तविक शिक्षण का बहुत-सा बहुमूल्य समय यों ही बर्बाद हो जाता है। जब से इंटरनेट ने शिक्षा-तंत्र में प्रवेश किया है, तब से हमारी अधिकांश शिक्षण संस्थाओं में काम करने वाले अध्यापकों की बहुत-सी ऊर्जा भी शिक्षण के बजाय अनेक सरकारी रिवाजों और औपचारिकताओं के निर्वाह में ही व्यय होने लगी है। विवाह समारोहों के विभिन्न रिवाजों के निर्वाह और पालन में आजकल विवाह का मूल उद्देश्य भी बिल्कुल भुला दिया जाता है। पर रिवाजों के बारे में जिस एक बात से हम इनकार नहीं कर सकते वह यह है कि रिवाज किसी भी समाज को सुंदर और रसपूर्ण बनाने में बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। अगर समाज में कुछ रिवाज प्रचलित न हों तो वह समाज एकदम रसहीन और बेतरतीब लगने लगेगा। किसी संस्कृति के सारे उपादन, संगीत, नृत्य, रंग-बिरंगी वेशभूषा, खाने में नाना प्रकार के व्यंजन, आभूषण, रंगोली, मेंहदी, भजन, उपदेश, कहानी-किस्से, गीत-कविताएं किसी समाज में प्रचलित रिवाजों से ही जन्मे हैं। लोग रात्रि-जागरण, मेहमानों का स्वागत, सामूहिक दावतों का आयोजन, खुशी या शोक जाहिर करते हैं। त्योहार मनाते हैं, पतंगें उड़ाते हैं, खीच- ओल्या बनाते हैं, बिंदौलियां- जुलूस रैलियां निकालते हैं और इस तरह इस दुनिया को रंग-बिरंगा और रसपूर्ण बनाते हैं। इसीलिए जब सब लोग केवल अधिकाधिक कमाने और खर्च करने के फेर में पड़े हैं, तो उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि बिना पैसे के या बहुत कम पैसे से भी इस दुनिया को काफी रसपूर्ण बनाया जा सकता है।

सरकार के प्रयासों से भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि कोरोना प्रकोप छोड़ दिया जाए तो अब इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के देशों में जीवन रेखा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के समग्र प्रयासों का परिणाम है कि अपने समय की जानलेवा बीमारियां टीबी, मलेरिया, टाइफाइड, पोलियो, पीलिया, डायरिया आदि पर काफी हद तक कंट्रोल कर लिया गया है। दुनिया के देशों में बाल मृत्यु दर लगभग आधी रह गई है तो प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु दर भी करीब एक तिहाई रह गई है। संस्थागत प्रसव ने हालातों में तेजी से सुधार किया है। दुनिया के अधिकांश देशों में संक्रामक रोगों का असर भी कम हुआ है तो डेंगू, स्वाईन फ्लू व इसी तरह की कुछ जानलेवा बीमारियां सामने आने लगी हैं।

पिछले कुछ दशकों से हमारे देश ही नहीं दुनिया के लगभग अधिकांश देशों में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके लिए वैक्सिनेशन अभियान और सरकारों द्वारा अनवरत रूप से चलाए जाने वाले अवेयरनेस और नियंत्रण अभियानों से हालातों में तेजी से सुधार हुआ है। लोगों की जीवन प्रत्याशा में बढ़ोतरी हुई है।

कोरोना के अपवाद को अलग कर दिया जाए तो जहां 2000 में औसत आयु 67 साल होती थी वह 2019 तक बढ़कर 73 साल हो गई है। यानी की 19 सालों में छह साल अधिक जीने लगे हैं आम नागरिक। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है सरकारों और स्वास्थ्य सेवाओं की।

यदि हमारे देश की ही बात करें तो जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान के तहत महिला के प्रेगनेंट होने के साथ से ही नियमित जांच, दवा और टीकों का अभियान चलने के साथ ही प्रसव के बाद बच्चों की सुरक्षा और भविष्य में बीमारी ना हो इसके लिए नवजात बच्चों को मासिक, त्रैमासिक, छमाही, वार्षिक के साथ ही पांच सात साल की उम्र होने तक जिस तरह से अलग-अलग बीमारियों से सुरक्षा के लिए टीके लगाये जा रहे हैं और सरकारी डिस्पेंसरियों में वार विशेष को टीका लगाने की व्यवस्था होने से लोगों में अवेयरनेस आई है और इसका सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगा है। टीकाकरण और समय समय पर एनिमिया, दस्त निरोधक, कृमि नाशक दवाएं अभियान चलाकर उपलब्ध कराने से सेहत के क्षेत्र में लगातार सुधार आया है। यह वास्तव में चिकित्सा जगत की बड़ी उपलब्धि मानी जानी चाहिए और इसके लिए सरकारों व स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों को श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्हीं के प्रयासों से यह संभव हो पाया है।

एक तरफ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से जीवन रेखा बढ़ी है तो तस्वीर का धुंधला पहलू यह भी सामने आना लगा है कि जो चीजें हमें प्रकृति से आसानी से मिल जाती हैं, जिन तक सहज पहुंच है उन्हीं की डेफिसिएंसी ज्यादा होने लगी है। यह सब हमारे रहन-सहन, खान-पान और दौड़ती भागती जिंदगी का परिणाम है। आज लोगों में विटामिन डी या सी की कमी आम होती जा रही है। जबकि हम जानते हैं कि चंद मिनटों यानी कि पांच सात मिनट प्रतिदिन धूप सेवन ये विटामिन डी की डेफिसिएंसी को दूर किया जा सकता है पर हालात यह हो गए हैं कि हम केमिकल से तैयार दवा लेने को तैयार हैं पर पांच मिनट धूप सेवन के लिए हमारे पास समय की कमी है। हालांकि मेट्रो सिटीज में गगनचुंबी अट्टालिकाओं के कारण सूर्य भगवान से साक्षात्कार करना लगभग मुश्किल भरा हो जाता है। इसी तरह से काम धंधे की भागदौड़ में धूप सेवन जैसी प्रकृति से सीधे साक्षात्कार का अवसर लाभ नहीं ले पाते हैं। और तो और रंग काला हो जाएगा इसी के चलते धूप से परहेज किया जाने लगा है। इसी तरह से बच्चों का मिट्टी में खेलना तो अब सपना रह गया है। परंपरागत खेल जो शारीरिक व मानसिक व्याधियों से बचाने में सहायक होते थे, वह आज कहीं नैपथ्य में चले गए हैं। आज पैसा खर्च कर जिम में जाकर पसीना बहाने को तैयार हैं पर प्राकृतिक रूप से मिलने वाले उपहार धूप, हवा पानी से दूर होते जा रहे हैं। एक कारण बढ़ता प्रदूषण भी है। इस सबसे अधिक चिंतनीय यह होता जा रहा है कि आज की पीढ़ी तेजी से डिप्रेशन की शिकार होती जा रही है। प्रतिस्पर्धा का यह दौर डिप्रेशन के रूप में सामने आ रहा है और सेहत के मोर्चे पर इसके दुष्परिणाम तेजी से सामने आने लगे हैं।

खैर जिस तरह से कोरोना प्रकोप के बाद लोगों में और अधिक अवेयरनेस आई है और जिस तरह से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और विस्तार हुआ है इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। सतत विकास लक्ष्य संबंधी हालिया रिपोर्ट तो यही तस्वीर सामने रख रही है। इसे सुखद भी माना जाना चाहिए कि संक्रामक रोगों पर नियंत्रण पाया जा रहा है तो लोगों में स्वास्थ्य के प्रति अवेयरनेस भी आई है।

जिलाधिकारी ने की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

आयुष्मान कार्ड बनाने की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, कड़ी कार्रवाई के दिये संकेत

बलिया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने विकास भवन सभागार में बैठक कर सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार अधिकारियों से उनके विभाग में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। जिस विभाग की प्रगति खराब मिली, सम्बन्धित अधिकारी को सुधार लाने की कड़ी चेतावनी जिलाधिकारी ने दी। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति धीमी होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। सीएमओ डॉ जयन्त कुमार को निर्देश दिया कि इस पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड की प्रगति तेज होने वजाय धीमी होना अत्यंत आपत्तिजनक है। सुधार नहीं होने की दशा में आयुष्मान भारत के नोडल अधिकारी एसीएमओ डॉ विजय यादव पर भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये। कहा कि कार्ड बनाने के लिए जो आईडी जारी की गयी है, सभी को एक्टिव कराया जाए। यह भी निर्देश दिया कि अस्पतालों पर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करायी जाए। गो आश्रय स्थलों की समीक्षा के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि कहीं भी शिकायत मिल रही है तो तत्काल वहां पहुंचकर व्यवस्था में सुधार लाएं। क्षेत्रीय पशु चिकित्साधिकारी या किसी कर्मचारी की लापरवाही मिलती है तो कार्रवाई भी करें। पशुओं के टीकाकरण की प्रगति की भी जानकारी ली। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता से सड़कों की स्थिति की जानकारी ली। कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान जिला कृषि अधिकारी से कहा कि किसानों से जुड़े कार्य समय से हों। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत होने वाले निःशुल्क बोरिंग के लक्ष्य व उसके सापेक्ष प्रगति की जानकारी ली। कहा कि पारदर्शी ढ़ंग से किसानों को इस योजना से लाभान्वित किया जाए।

नहरों में टेल तक पहुंचे पानी, खराब ट्यूबेल तत्काल सही हों- जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान विशेष जोर देकर कहा कि नहरों में टेल तक पानी पहुंचे, यह सुनिश्चित कराएं। इसके लिए नहर परियोजना के सभी पम्पों को चलाया जाए। विद्युत सम्बन्धी समस्या दूर की जा चुकी है, लिहाजा अब किसी प्रकार की बहानेबाजी नहीं चलेगी। उन्होंने नलकूपों के संचालन की जानकारी लेने के बाद कहा कि यांत्रिक या विद्युत, किसी कारण से भी नलकूप बंद है, तो दो दिन के अन्दर सही कराकर चालू कराया जाए। इसके लिए जिलाधिकारी ने सोमवार तक का अन्तिम अल्टीमेटम दिया।

कटहल नाला की पूरी सफाई नहीं होने पर नाराज- कटहल नाला की पूरी सफाई नहीं होने पर जिलाधिकारी ने तगड़ी नाराजगी जताई। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को कड़ी फटकार लगाते हुए सवाल किया कि बार-बार निर्देशित करने के बाद भी कटहल नाला की सफाई की दैनिक रिपोर्ट क्यों नहीं दी गयी। उन्होंने सीडीओ को इसकी समीक्षा कर कटहल नाला की सफाई सम्बन्धित सभी भुगतान पर रोक लगाने का निर्देश दिया। बैठक में सीडीओ प्रवीण वर्मा के अलावा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

तेज रफ़्तार कार ट्रक से टकराई एक मरा दूसरे की हालत नाजुक

रसड़ा, बलिया। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रसड़ा-मऊ मार्ग पर स्थित गांव कैलीपाली के समीप बुधवार की रात में अर्द्ध रात्रि में तेज स्पीड में गुजर रही एक कार सड़क के किनारे पहले खड़ी ट्रक में टकरा जाने से कार चालक सहित दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें रसड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की स्थिति चिंताजनक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें यहां से रेफर कर दिया। सूचना पाकर पहुंचे परिजन दोनों को इलाज के लिए मऊ ले जा रहे थे कि इसी दौरान एक युवक ने रास्ते में ही, जहां दम तोड़ दिया, वहीं दूसरा घायल कार चला रहे युवक की स्थिति चिंताजनक होने पर उसे आजमगढ़ स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक मुहम्मदाबाद (मऊ) थाना क्षेत्र के गालिब पूर हलीमाबाद गांव निवासी 39 वर्षीय मोहम्मद आसिफ अपने साथी पड़ोसी गांव मेहताबपुर निवासी कार चालक 42 वर्षीय शारिक खां के साथ किसी काम से बलिया गये हुए थे और रात में वहां से दोनों घर के लिए वापस लौट रहे थे कि इसी बीच उनकी कार रसड़ा क्षेत्र के ग्राम कैलीपाली के समीप नींद की झपकी के कारण तेज स्पीड की उनकी कार सड़क के पटरी के समीप खड़े ट्रक में पीछे से टकरा कर उसमें घुस गई।

निर्माणाधीन परियोजनाएं समय से पूरी हों गुणवत्ता का रखें विशेष ख्याल: डीएम

बलिया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने मुख्यमंत्री की सर्वोच्च विकास प्राथमिकता कार्यक्रम एवं 50 लाख से ऊपर की निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिया कि वित्तीय प्रगति के सापेक्ष भौतिक प्रगति मे तेजी बनाये रखें।

इस बात का विशेष ख्याल रहे कि समय के साथ कार्य की गुणवत्ता का भी अच्छी हो। अगर इसमें शिकायत मिले तो भुगतान नहीं किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जो विकास परियोजना पूरी हो चुकी है, उसे हैण्डओवर किया जाए। जिन कार्यदायी संस्था के कार्यालय जिले से बाहर हैं, उनके अधिकारी को निर्देश दिया कि अस्थायी कार्यालय जिलें स्थापित कराएं। पुलिस आवास का निर्माण पर अभी पूर्ण नहीं होने पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। यूपीपीसीएल के कार्यों की समीक्षा के दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय रसड़ा, चिलकहर, जिला चिकित्सालय बलिया में नलकूप रिवोर पाइप लाइन की स्थापना एवं ओवर हेड टैंक की मरम्मत का कार्य एवं अन्य ब्लॉकों में हॉस्टल बैरक एवं विवेचना कक्ष जैसे निर्माण संबंधित कार्यों को जल्द पूरा करने का निर्देश दिये। सीएण्डडीएस के कार्यों की समीक्षा के दौरान नगरा के नगर पंचायत भवन का निर्माण कार्य, एसडीएम आवास में लॉकअप एवं कैंटीन ब्लॉक का निर्माण कार्य ,नगर पालिका परिषद बलिया में लिगेसी वेस्ट का निस्तारण कार्य एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सीयर जैसी तमाम निमार्णाधीन विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड के कार्यों की समीक्षा के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा (बैरिया), जिला कारागार बलिया में पंप हाउस एवं आरसीसी वाटर चैनल का निर्माण कार्य, राजकीय आईटीआई नवानगर बलिया का बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य जैसी विभागीय योजनाओं को तय समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

मानव स्वास्थ्य के लिए वरदान श्रीअन्न को अपनाएं किसान

प्रखर दानगंज वाराणसी। हमारे देश में सदियों से श्रीअन्न (मिलेट्स) को भोजन में शामिल किया जाता रहा है लेकिन समय के साथ लोगों ने धान गेहूं की खेती को बढ़ावा दिया और देखते ही देखते श्रीअन्न (मिलेट्स, मोटे अनाज) हमारी थाली से गायब हो गये। जबकि श्रीअन्न मानव स्वास्थ्य के लिए वरदान हैं। ऐसे में किसानों को श्रीअन्न की खेती को बढ़ावा देना चाहिए। उक्त सलाह वृहस्पतिवार को क्षेत्र के ढाका गांव में कृषि विभाग द्वारा आयोजित किसान पाठशाला में मास्टर ट्रेनर देवमणि त्रिपाठी ने किसानों को दी।उन्होंने बताया कि श्रीअन्न कम पानी व अपेक्षाकृत कम उपजाऊ भूमि में भी अच्छी पैदावार देते हैं और सूखा सहन करने की क्षमता भी रखते हैं।श्रीअन्न में पोषक तत्व अधिक मात्रा मे होने के कारण ही इन्हें सुपर फूड कहा जाता है। जनपद के उप कृषि निदेशक अखिलेश कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में आयोजित किसान पाठशाला में श्रीअन्न के साथ ही प्राकृतिक खेती, खरीफ फसलोत्पादन, धान की सीधी बुआई आदि विषयों पर किसानों को जानकारी दी गयी। इस दौरान ग्राम प्रधान सुमन देवी, विनोद निषाद, दीनानाथ पाण्डेय, सत्यनारायण दुबे, अमरनाथ आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में क्षेत्र के हड़ियाडीह, सुंगुलपुर, मोलनापुर गांव में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया।

नहीं चलेंगे कागजी आंकड़े, अब फसलों का होगा डिजिटल सर्वे

कृषि, राजस्व व पंचायत विभाग मिलकर करेंगे सर्वे, सीडीओ ने कर्मचारियों को दिये डिजिटल क्राप सर्वे के टिप्स

प्रखर दानगंज वाराणसी। भारत सरकार द्वारा केंद्र पोषित डिजिटल मिशन इन एग्रीकल्चर घटक के अंतर्गत प्रदेश में उगाई जाने वाली फसलों के रियल टाइम सर्वेक्षण हेतु एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत जियो- रेफरेंस आधारित फसल की फोटो के साथ डिजिटल क्राप सर्वे का कार्यक्रम खरीफ 2023 से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलाया जायेगा।डिजिटल क्राप सर्वे के लिए वाराणसी जनपद का भी चयन किया गया है।यानि अब खेत व खेत में लगी फसल के सर्वे में कागजी व जुबानी आंकड़े काम नहीं आयेंगे बल्कि अब फसल का डिजिटल क्राप सर्वे किया जायेगा। डिजिटल क्राप सर्वे के सम्बंध में बुधवार को राइफल क्लब में सीडीओ हिमांशु नागपाल की अध्यक्षता में पंचायत,कृषि व राजस्व विभाग के कर्मचारियों की बैठक की गयी जिसमें सीडीओ ने कर्मचारियों को उक्त आशय की जानकारी देते हुए डिजिटल क्राप सर्वे की सफलता के टिप्स दिये।इस दौरान एसडीओ निरूपमा सिंह,बीटीएम देवमणि त्रिपाठी,तकनीकी सहायक के के मौर्या,दिनेश कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

कृषि,पंचायत,राजस्व विभाग मिलकर करेंगे सर्वे- मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि डिजिटल क्राप सर्वे को कृषि विभाग,पंचायत विभागव राजस्व विभाग के कर्मचारी./अधिकारी मिल कर करेंगे।सीडीओ ने बताया नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर के माध्यम से प्रदेश में 23 जनपदों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्राम पंचायतों में जीआर विलेज मैप तैयार कर लिया गया है वर्तमान में शासन द्वारा प्रदेश के 19 जनपदों में डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त 58 जनपदों में से भारत सरकार द्वारा समस्त तहसीलों को शामिल किया गया है,जिसमें पायलट प्रोजेक्ट आधारित डिजिटल क्राप सर्वे किया जायेगा।डिजिटल क्राप सर्वे की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

डिजिटल क्राप सर्वे में शामिल होंगे ये कर्मचारी/अधिकारी- जनपद के उप कृषि निदेशक अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल क्राप सर्वे के लिए बाकायदा सर्वेयर,सुपरवाइजर,वेरीफायर की तैनाती की गयी है और सभी के अलग अलग कार्य व दायित्व निर्धारित किये गये हैं।साथ ही उपरोक्त कर्मचारियों/अधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु तहसील स्तर पर प्रति 20 सर्वेयर पर एक मास्टर ट्रेनर का चयन किया गया है।

हेल्प डेस्क की होगी स्थापना- डिजिटल क्राप सर्वे का कार्य प्रारंभ होने के पश्चात क्षेत्रीय कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए वरिष्ठ सांख्यिकी निरीक्षक कार्यालय में एक हेल्प डेस्क स्थापित किया जायेगा जिसमें सर्वेक्षण कार्य के समय आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

सर्वेयर के लिए प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था- सीडीओ ने बताया कि डिजिटल क्राप सर्वे करने वाले समस्त सर्वेयर (कृषि विभाग के तकनीकी सहायक वर्ग सी,बीटीएम,एटीएम,पंचायत सहायक,लेखपाल) को प्रति डाटा संख्या ,प्रति फसल, प्रोत्साहन राशि भी प्रस्तावित की गयी है जो सक्षम स्तर से अनुमोदन के उपरांत अवगत कराया जायेगा।

डीएम ने राजकीय जिला पुस्तकालय का लिया जायजा

बलिया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने गुरुवार को राजकीय जिला पुस्तकालय का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला पुस्तकालय में हो रहे सुंदरीकरण का कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने जिला विकास अधिकारी राजित राम मिश्र को निर्देशित करते हुए कहा कि शौचालय की मरम्मत करने और कंप्यूटर कक्ष के खिड़कियों में टूटे सीसे को तत्काल लगवाएँ। साथ ही लाइब्रेरी के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे एवं सभी आलमारियों को सीरियल नंबर से लगाकर उनके ऊपर नाम प्लेट अवश्य लिखें, ताकि बच्चों को किताबे खोजने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। लाइब्रेरी कक्ष व कंप्यूटर कक्ष के दीवारों पर डिजाइनिंग वॉलपेपर लगाने के लिए जिलाधिकारी ने कलर चिन्हित किया और तत्काल डिजाइनिंग वॉलपेपर को लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधूरे कार्य को समय से पूर्ण कर लिया जाए, ताकि इसका उद्घाटन किया जा सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रवीण वर्मा, जिला विकास अधिकारी राजित राम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

वाराणसी विकास प्राधिकरण बना सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का अड्डा - एमएलसी आशुतोष सिन्हा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विधान परिषद में चल रहे मानसून सत्र के पांचवें दिन सपा एमएलसी ने वाराणसी के विकास प्राधिकरण में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा है कि विकास प्राधिकरणों का मुख्य कार्य नगरीय क्षेत्रों में सुनियोजित विकास के उद्देश्य से आवासीय फ्लैट, प्लॉट व कालोनियां विकसित करके उसको जनता को उचित दरों पर उपलब्ध कराना है` विकास प्राधिकरण क्षेत्र के अन्तर्गत कोई भी विकास एवं निर्माण कार्य किए जाने से पूर्व उ0प्र0 नगर योजना और विकास अधिनियम, 1973 की धारा-15(मानचित्र स्वीकृति) के अधीन अनुज्ञा प्राप्त किया जाना अनिवार्य है लेकिन आजकल इसका दुरुपयोग चरम पर है उन्होंने बताया कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में 100 वर्ग मीटर का नक्शा पास कराए बिना भी भवन निर्माण कराया जा सकता है साथ ही मानचित्र स्वीकृति हेतु प्रस्तावित मानचित्र praposed map 40% set backछोड़ा जाना आवश्यक है लेकिन अधिकांश लोग 100% पर निर्माण करा लेते हैं और ऐसा करने पर शमन मानचित्र कंपाउंडिंग मैप जमा करना होता है और Regulation of building operation Act RBO Act 1973 40% में 20% compound हो जाता है, बचे 20% पर अधिकारियों द्वारा मन मांगा पैसा वसूल किया जाता है` चूँकि विकास प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारियों के कारण आज पूरे प्रदेश में बहुत कम ऐसे भवन होंगे जो सभी मानक पूरा करते हो इसके साथ ही आजकल अधिनियम की धारा 27 (नोटिस), 28 (निर्माण कार्य रोकन (2) (पुलिस को सूचना) 27 (1) (ध्वस्तीकरण) का भी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा जबरदस्त दुरुपयोग किया जा रहा है और यह सारी धाराएं गरीब और सामान्य नागरिकों के लिए हैं जबकि बड़े-बड़े भवन माफियाओं द्वारा सभी नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कराए जा रहे हैं और विकास प्राधिकरण के अधिकारी उन्हें संरक्षण भी दे रहे हैं` आज व्यवसायिक भवनों के निर्माण के

मानचित्र स्वीकृति हेतु विद्युत विभाग, अग्निशमन विभाग, ट्रैफिक, नगर निगम,जल संस्थान व कहीं कहीं पर पुरातत्व विभाग के एनओसी की आवश्यकता होती है जो कि पूरे प्रदेश में शायद ही 5 से 10% लोगों द्वारा ही पूरा किया जाता है चूँकि प्राधिकरण के अधिकारियों व कर्मचारियों को वेतन सरकार नहीं देती है इसलिए उन्हें स्वयं ही अपने वेतन की व्यवस्था करनी पड़ती है साथ ही आउटसोर्सिंग के माध्यम से 12000-15000 रुपये मानदेय पर कर्मचारी व अधिकारी रखे जा रहे हैं जिससे उनके द्वारा भ्रष्टाचार किया जाना भी स्वाभाविक है चूँकि स्थायी भर्ती न करने से यह प्रतीत होता है कि सरकार की ही मंशा है कि विकास प्राधिकरण को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाया जाए` वाराणसी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार में संलिप्तता की गहराई कुछ उदाहरणों से समझी जा सकती है, जिसमें वाराणसी में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक का कार्यालय है जो बिना नक्शा पास कराए बना है उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश है कि गंगा के बाढ़ के उच्चतम बिंदु से 200 मीटर दूरी तक कोई निर्माण नहीं कराया जाना है लेकिन गंगा जी के घाट से सटा गोदौलिया का मल्टी लेवल पार्किंग, सामने घाट पर गंगा जी से सटा जजेज गेस्ट हाउस, पड़ाव पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पार्क भी नियम के विपरीत बना हुआ है। मोहनसराय में ट्रांसपोर्ट नगर की प्रस्तावित योजना में खूब भ्रष्टाचार हुआ है इसमें भू अधिग्रहण कानून 2013 के अधिनियम 24 की धारा 5 (1) के अनुसार अगर योजना 5 वर्ष में विकसित होकर के चालू नहीं होती है तो योजना नष्ट मानी जाएगी तथा लैंड यूज का भी परिवर्तन योजना निरस्त करने के बाद ही किया जा सकता है लेकिन भूमि अधिग्रहण कानून वर्ष 2013 के आधार पर वहाँ के किसानों की जमीन का उचित मुआवजा नही मिला है और उनके मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है इसी तरह से लालपुर क्षेत्र मे जमीन आवंटन प्रक्रिया एवं दशाश्वमेध क्षेत्र में स्थित चितरंजन पार्क में से सिंधी समाज के लोगों को हटाकर उनका शोषण भी वाराणसी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार का ज्वलंत उदाहरण है ज्ञातव्य हो कि चितरंजन पार्क में देश की आजादी के समय से ही दुकान बनाकर रह रहे सिंधी समाज के लोगों को पुलिस व प्रशासन द्वारा लाठी-डंडों के बल पर वहां से हटा दिया गया था जिसे सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने पूर्व में भी सदन में उठाया था।

संक्षिप्त खबरें

घर के सामने खड़ी बाइक को चोरों ने चुराया, बोलेरो ले जाने का प्रयास हुआ विफल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के सुरही गांव बीती रात चोरों ने दरवाजे के सामने से खड़ी बाइक को चुरा ले गए। इसके पहले बोलेरो ले जाने का भी किया प्रयास किया। चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। बताते हैं कि गुरुवार को देर रात फूलपुर के सुरही के पूर्व प्रधान सत्येंद्र नाथ शर्मा के घर के सामने खड़ी चोरों ने बाइक पैशन प्रो को चोर लेकर भाग निकले। बाइक को चोरी करने के पूर्व घर से 10 मीटर दूरी पर खड़ी बोलरो वाहन को भी चोरों ने ले जाने का प्रयास किया लेकिन स्टार्ट नहीं होने के कारण उसे नहीं ले जा सके। घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। सुबह होने पर जब घटना की जानकारी वाहन स्वामी को हुआ तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों के गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई।

देश भर के 60 सरकारी स्कूलों की बेटियां लेगी गर्ल्स लीडरशिप समिट में भाग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय सैरा गोपालपुर में बाल संसद के सहयोग से 12 अगस्त को राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले गर्ल्स लीडरशिप समिट में देशभर के 60 सरकारी स्कूलों की बेटियां भाग लेंगी। अखिल भारतीय सम्मेलन में देशभर के 60 सरकारी स्कूल की बेटियां शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों, बाल संसद/मीना मंच के कार्यों और अपनी लीडरशिप में हो रहे बदलाव की कहानी बेटियां साझा करेंगी। आयोजन में शामिल होने वाली बेटियां बाल संसद अथवा मीना मंच की सक्रिय सदस्य है। प्रधानाध्यापक मनोज सिंह ने बताया कि बाल संसद सैरा गोपालपुर एवं सरकारी स्कूल डॉट इन, वीसिटीजन्स फाउंडेशन की पहल प्रोजेक्ट के सहयोग द्वारा गर्ल्स स्टूडेंट लीडरशिप समिट आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य है कि बाल संसद/मीना मंच से जुड़ी सरकारी स्कूलों की बेटियों को अपनी बात साझा करने, साथी वक्ताओं से सीखने और स्कूलों को बेटियों की शिक्षा के लिए सतत व बेहतर प्रयास करने की प्रेरणा देना है। समिट में प्रतिभागी दो श्रेणियों- कक्षा 3 से 5 एवं कक्षा 6 से 8 में शामिल हो रहे है। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति देने वाले 10 विजेता स्कूलों को स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेता व नवाचार के लिए देशभर में प्रसिद्धि पाई अनुष्का जॉली मुख्य अतिथि के रुप में प्रतिभागियों को संबोधित करेंगी। कार्यक्रम की संयोजक निशात शाहीन व सह संयोजक धारणा त्रेहान, पलक व आरुषी मिश्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली बेटियां ही कर रही है, जो इन बच्चों को बेहतर संबोधन के लिए मेंटर भी बनेंगी और उन्हें प्रोत्साहित भी करेगी।

राष्ट्रीय ध्वज के रंग कर्म की प्रेरणा देते है: ज्ञान प्रकाश

लोहिया पार्क में नवीन राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण

प्रखर जौनपुर। नगर के लोहिया पार्क में शुक्रवार को 111 फीट स्तंभ पर नवीन राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पहल पर जिले के तीन शहीद परिवार के परिजनों ने किया। 60 फीट लंबाई एवं 40 फीट चौड़ाई के इस राष्ट्रीय ध्वज को स्वतंत्रता दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर चल रहे विभिन्न कार्यक्रम के तहत आरोहण जिला उद्यान अधिकारी डॉक्टर सीमा सिंह के प्रेरणा से किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि तिरंगा झंडा राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं हम सब का जीवन दर्शन एवम कर्म योग का प्रेरक है। इसके तीनों रंग हमें समाज में करने वाले सुकर्म की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि लोहिया पार्क का यह विशालकाय राष्ट्रीय ध्वज समस्त जनमानस के बीच राष्ट्र प्रेम का संचार करता है। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी डॉक्टर सीमा सिंह ने कहा कि यह राष्ट्रीय ध्वज समस्त जनपद के लिए मान सम्मान का प्रतीक है। इस पार्क के रखरखाव एवं सुंदरीकरण के लिए उद्यान विभाग सदैव कटिबंध रहेगा। पत्रकार मधुकर तिवारी ने कहा कि इस राष्ट्रीय ध्वज स्तम्भ पर सदैव समय-समय पर नवीन राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण कराकर समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह अपने राष्ट्र प्रेम को परिलक्षित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। इस अवसर पर ज्ञान प्रकाश सिंह एवं समस्त आगंतुको ने लोहिया पार्क परिसर में पौधारोपण किया। कार्यक्रम में समाज सेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने ध्वज आरोहण करने आए शहीद राजेश सिंह के पिता राजेंद्र सिंह शहीद जिलाजीत यादव की माता उर्मिला यादव एवं शहीद राकेश सिंह की पत्नी सरोज सिंह को शाल माला एवं स्मृति पत्र देकर सम्मानित किया। कचगांव इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने इस अवसर पर कैप्टन अभिषेक सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय ध्वज प्रोटोकॉल के तहत ध्वज आरोहण करके सलामी दी और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में पत्रकार डॉक्टर मधुकर तिवारी, रामकृष्ण दुबे बबलू अंजना सिंह उर्वशी सिंह मेनका सिंह जयेश सिंह शैलेन्द्र सोनकर आलोक तिवारी,शरद पाठक, मुकेश सिंह,सुनील यादव, मयंक नारायण,अनुराग तिवारी,अरूण सिंह सहित जनपद के तमाम गणमान नगर वासी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल के चिकित्सकों के दलालों पर नहीं लग पा रही रोक

प्रखर जौनपुर। जिला चिकित्सालय उमानाथ सिंह में चिकित्सकों द्वारा अपने कक्ष में दलालों से बाहरी दवा और जांच लिखवाने का मामला चर्चा का विषय बनता चला जा रहा है। चिकित्सकों द्वारा अपने कक्ष में दलालों को बैठाकर मरीजों का ठगने के इस धंधे में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर केके राय की भूमिका संदिग्ध प्रतीत हो रही है। खुलेआम डॉक्टरों द्वारा इस सरकारी अस्पताल में कमरे में बैठकर बाहर की दवा लिखना और जांच लिखना इतना ही नहीं कुछ चिकित्सकों ने नगर के अलग.अलग क्षेत्र में अपना नर्सिंग होम खोल रखा है वहां मरीजों को भेजना ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की भूमिका संदिग्ध बता रहा है। अगर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रतिदिन राउंड करके चिकित्सकों के कक्ष को देखते तो शायद आज यह दलाली का धंधा बड़े पैमाने पर न फैल पाता। चिकित्सकों द्वारा ओपीडी में खुलेआम दलालों से दवा लिखवा कर यह चिकित्सक दिन प्रतिदिन मालामाल हो रहे हैं और जिला चिकित्सालय में जाने वाले मरीजों की खुलेआम जेब कट रही है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा खुलेआम शासन आदेश का उल्लंघन ही नहीं बल्कि बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जनपद वासियों ने प्रदेश सरकार से मांग किया है कि अस्पताल कुछ चिकित्सकों द्वारा चलाए जा रहे निजी नर्सिंग होम और सरकारी अस्पताल के ओपीडी में खुलेआम दलालो को अपने कमरे में बैठा कर जो धन उगाही कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग किया है।

खुशी न मिलना भी अवसाद का लक्षण

रीडिंग (ब्रिटेन)(द कन्वरसेशन)। माना जाता है कि अगर कोई अवसाद ग्रस्त है तो वह हर वक्त दुखी या हताश महसूस करेगा। लेकिन कई लोगों को यह नहीं मालूम कि अवसाद का केवल यही लक्षण नहीं है। अवसाद का एक और लक्षण है कि आपको उन चीजों में अब मजा नहीं आता या उनमें दिलचस्पी नहीं होती जिनमें पहले होती थी और इस लक्षण को कई बार नजरअंदाज कर दिया जाता है। इस लक्षण को 'एनहेडोनिया' के नाम से जाना जाता है और यह अवसाद से जूझ रहे 75 प्रतिशत वयस्कों तथा युवाओं में देखा जाता है। यह लक्षण बहुत आम है लेकिन इसके बावजूद इसका इलाज तथा इससे निपटना मुश्किल है।

किसे कहते हैं अवसादग्रस्त

एनहेडोनिया को सभी या लगभग हर उस गतिविधि में दिलचस्पी कम होने के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनका कोई व्यक्ति पहले आनंद उठाता था। अगर किसी व्यक्ति को कम से कम दो हफ्ते से लगातार एनहेडोनिया है तो उसे अवसादग्रस्त कहा जा सकता है भले ही वह दुखी या हताश महसूस न कर रहा हो। अवसाद के बारे में जिन युवाओं का गहनता से साक्षात्कार लिया गया, उसमें पाया गया कि एनहेडोनिया केवल खुशी का खोना ही नहीं बल्कि मनपसंद कामों को करने के लिए प्रेरणा की कमी होना भी है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि हल्के अवसाद का इलाज, बात करने (टॉक) थेरेपी से किया जाए। गंभीर अवसाद से जूझ रहे लोगों को अवसाद के इलाज में कारगर दवाएं लेने की सलाह दी जाती है।

ये सभी उपचार अवसाद के लक्षणों पर काबू पाने में मदद करने के उद्देश्य से किए जाते हैं लेकिन आधे से ज्यादा लोगों पर पहली बार उपचार का कोई फर्क नहीं पड़ता। बल्कि उपचार का तरीका बदलने के बाद भी तकरीबन 30 प्रतिशत मरीजों को अवसाद के लक्षण महसूस होते हैं। दलील दी गयी है कि इलाज के प्रभाव की इस कम दर का कारण एनहेडोनिया से सही तरीके से न निपटना हो सकता है।

इलाज के विकल्प

एनहेडोनिया जटिल हो सकता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि इससे पीड़ित लोगों के लिए कोई उम्मीद नहीं है। अनुसंधान से पता चलता है कि बातचीत थेरेपी एनहेडोनिया से निपटने में मदद कर सकती है। हाल में एक प्रायोगिक अध्ययन में यह भी

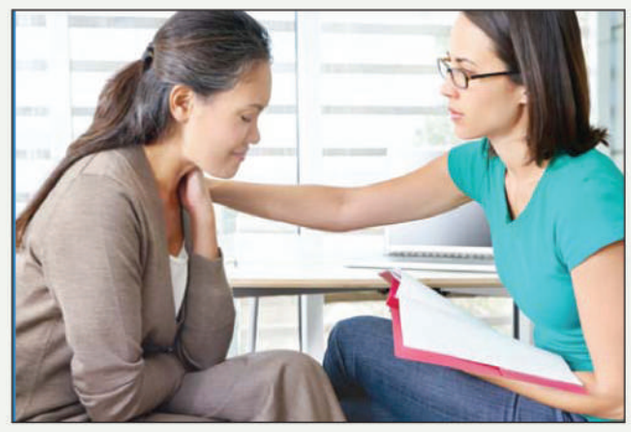

पाया गया कि एक नयी प्रकार की 'टॉक थेरेपी' अवसाद के इलाज में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी से बेहतर काम कर सकती है क्योंकि इस थेरेपी में मरीज के नकारात्मक और सकारात्मक दोनों अनुभवों पर ध्यान केंद्रित कर खासतौर से एनहेडोनिया का इलाज किया जाता है। इसके अलावा डोपामाइन जैसी दवा भी एनहेडोनिया के मरीजों के उपचार में कारगर हो सकती है। अगर आप एनहेडोनिया से जूझ रहे हैं तो आपके लिए प्रेरणा तलाशना मुश्किल हो सकता है लेकिन मनोरंजक गतिविधियों या किसी शौक के लिए वक्त निकालने से एनहेडोनिया से निपटने में मदद मिल सकती है।

टॉक थेरेपी' अवसाद के इलाज में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी से बेहतर काम कर सकती है क्योंकि इस थेरेपी में मरीज के नकारात्मक और सकारात्मक दोनों अनुभवों पर ध्यान केंद्रित कर खासतौर से एनहेडोनिया का इलाज किया जाता है।

कोविड के कारण शरीर के कई अंग हो सकते हैं खराब, रिसर्च में खुलासा

सैन फ्रांसिस्को (आईएएनएस)। शोधकर्ताओं की एक टीम ने पाया है कि मानव शरीर की कोशिकाओं के ऊर्जा उत्पादक माइटोकॉन्ड्रिया के जीन पर कोरोना वायरस नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इससे फेफड़ों के अलावा कई अंग खराब हो सकते हैं। माइटोकॉन्ड्रिया मानव शरीर की प्रत्येक कोशिका में पाया जाता है। साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, माइटोकॉन्ड्रिया उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार जीन हमारी कोशिकाओं के केंद्रक में स्थित परमाणु (न्यूक्लियर) डीएनए और प्रत्येक माइटोकॉन्ड्रियन के भीतर स्थित माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए) दोनों में फैले हुए हैं।

एसएआरएस-सीओवी-2 माइटोकॉन्ड्रिया को कैसे प्रभावित करता है, इसे समझने के लिए कि शोधकर्ताओं ने प्रभावित मरीजों, पशु मॉडलों से नासॉफिरिन्जियल और ऑटोप्सी ऊतकों के संयोजन का विश्लेषण किया। अध्ययन के पहले लेखक जोसेफ ग्वारनेरी ने कहा कि मानव मरीजों के ऊतक के नमूनों ने हमें यह देखने में मदद दी कि रोग की शुरुआत और अंत में माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति कैसे प्रभावित हुई। जबकि, पशु मॉडल ने हमें रिक्त स्थान भरने और समय के साथ जीन अभिव्यक्ति के अंतर की प्रगति को देखने में मदद मिली। अध्ययन में पाया गया कि शव परीक्षण ऊतक में, फेफड़ों में माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति ठीक हो गई थी, लेकिन माइटोकॉन्ड्रियल कार्य दिल के साथ-साथ गुर्दे और यकृत में भी दबा रहा।

हालांकि जब शोधकर्ताओं ने जानवरों के मॉडल का अध्ययन किया और उस समय को मापा जब फेफड़ों में वायरल लोड अपने चरम पर था तो मस्तिष्क में कोई एसएआरएस-सीओवी-2 नहीं पाया गया, वहीं माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति सेरिबैलम में दब गई थी। इन निष्कर्षों से पता चला कि मेजबान कोशिकाएं प्रारंभिक संक्रमण पर इस तरह से प्रतिक्रिया करती हैं, जिसमें फेफड़े शामिल होते हैं, लेकिन फेफड़ों में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य समय के साथ बहाल हो जाता है जबकि अन्य अंगों, विशेष रूप से हृदय में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य ख़राब रहता है। सह-वरिष्ठ लेखक डगलस सी वालेस ने कहा कि यह अध्ययन हमें इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि हमें कोविड-19 को ऊपरी श्वसन रोग के रूप में देखना बंद करना होगा और इसे एक प्रणालीगत विकार के रूप में देखना शुरू करना होगा जोकि कई अंगों को खराब कर सकता है।

मंगल ग्रह भी पहले रहने लायक रहा होगा : वैज्ञानिक

नयी दिल्ली (भाषा)। वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगल ग्रह पर संभवतः किसी समय में शुष्क और आर्द्र मौसम चक्र रहा होगा और इस प्रकार, यह अपने अतीत में किसी समय रहने योग्य रहा होगा। नासा के 'क्यूरियोसिटी' रोवर द्वारा मंगल ग्रह की प्रारंभिक सतह पर देखे गए मिट्टी की दरार के पैटर्न का विश्लेषण वहां पानी की अनियमित उपस्थिति की बात कहता है जिसका अर्थ है कि पानी कुछ समय के लिए मौजूद रहा होगा और फिर यह वाष्पित हो गया होगा। फ्रांस, अमेरिका और कनाडा के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में कहा कि मिट्टी में दरारें बनने तक इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति हुई होगी।

'क्यूरियोसिटी' रोवर पर लगे केमकैम उपकरण से संबंधित प्रमुख अन्वेषक और इस अध्ययन के लेखकों में से एक नीना लान्ज़ा ने कहा, 'ये मिट्टी की दरारें हमें उस परिवर्ती समय को दिखाती हैं जब तरल पानी कुछ मात्रा में था।' ये निष्कर्ष इस संभावना की ओर इशारा करते हैं कि मंगल पर कभी पृथ्वी जैसी आर्द्र जलवायु रही होगी और लाल ग्रह किसी समय रहने योग्य रहा होगा।

आशा भोंसले के 90वें जन्मदिन पर दुबई में लाइव कॉन्सर्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सुरों की मल्लिका आशा भोंसले के 90वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए आनंद भोंसले और पीएमई एंटरटेनमेंट ने दुबई में एक लाइव कॉन्सर्ट करने की घोषणा की है। यह कॉन्सर्ट 8 सितम्बर को दुबई के प्रतिष्ठित कोका-कोला एरीना में होने वाला है। इस 'लाइव इन कॉन्सर्ट' को लेकर जैकी श्रॉफ, जमील सईदी, नितिन शंकर, सलीम-सुलेमान, पूनम ढिल्लों और पद्मिनी कोल्हापुरे सहित प्रसिद्ध हस्तियों ने अपनी खुशी जाहिर की। इस लाइव कॉन्सर्ट का संचालन आरजे अनमोल करेंगे। यह आयोजन आशा भोंसले के शानदार करियर के लिए एक यादगार पल होगा। गायिका आशा भोंसले ने कहा कि मैं बेहद खुशी से भरी हुई हूं क्योंकि मैं एक दशक बाद मंच पर लौटने की तैयारी कर रही हूं,संगीत मेरी जीवनरेखा रही है।

कार्तिक आर्यन को शादी का प्रपोजल

मुंबई (आईएएनएस)। मेलबर्न में फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' के प्रीमियर पर बॉलीवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन को एक लड़की ने शादी का प्रपोजल दे डाला। एक फैन ने कार्तिक से कहा, मुझे आपसे यह सवाल दोबारा पूछने का मौका शायद कभी न मिले, लेकिन 'क्या आप मुझसे शादी करेंगे? शरमाते हुए कार्तिक ने कहा, एक यहां प्रेम कहानी पूछ रहा है, एक ने शादी का प्रपोजल दे दिया। हो क्या रहा है? यहां मुझे अपना स्वयंवर लग रहा है। 'सत्यप्रेम की कथा' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसमें अहमदाबाद के एक मध्यवगीय लड़के सत्यप्रेम को फिल्म की पात्र 'कथा' से एकतरफा प्यार हो जाता है। इस फिल्म में कियारा आडवाणी, सुप्रिया पाठक, गजराज राव और शिखा तल्सानिया सहित कई अन्य कलाकार शामिल हैं।

रजनीकांत की जेलर रिलीज

चेन्नई, (भाषा)। सुपरस्टार रजनीकांत के उत्साही प्रशंसकों ने बृहस्पतिवार को पूरे तमिलनाडु में उनकी फिल्म 'जेलर' की रिलीज का जश्न मनाया। इस फिल्म में रजनीकांत ने 'टाइगर' के मुथुवेल पांडियन की भूमिका निभाई है। बताया जाता है कि राज्य भर के सिनेमाघर सप्ताह भर के लिए बुक हो चुके हैं। यहां उत्सव जैसा माहौल नजर आया क्योंकि प्रशंसक पहले दिन के पहले शो के लिए एकत्रित होकर खुशी से

पूरे तमिलनाडु में जश्न

झूम रहे थे। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित इस एक्शन फिल्म के टीज़र को अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी जिसे देखते हुए फिल्म से उम्मीदें काफी बढ गई थीं। एक जापानी जोड़ा भी फिल्म देखने के लिए चेन्नई आया है। जापान में रजनीकांत फैन क्लब के प्रमुख यासुदा हिदेतोशी ने कहा-'हुकुम-टाइगर का हुकुम (टाइगर का आदेश).... 'जेलर' फिल्म देखने के लिए हम जापान से चेन्नई आए हैं।'हिदेतोशी ने फिल्म का यह संवाद दोहराया ''इंगा नान थान किंगु....।''उन्होंने कहा कि वह 20 सालों से भी अधिक समय से रजनीकांत की फिल्में देख रहे है जिसकी शुरुआत 'मुथु' से हुई थी।

फिनाले से पहले ही जिया शंकर आउट

मुंबई, (आईएएनएस)। 'बिग बॉस ओटीटी 2' के ग्रैंड फिनाले से पहले एक एविक्शन हुआ। कंटेस्टेंट जिया शंकर को हफ्ते के बीच एलिमिनेशन में बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। ऐसे में शो में अब टॉप 5 कंटेस्टेंट्स बचे हैं। इस हफ्ते घर से बेघर होने वाले अन्य कंटेस्टेंट्स में मनीषा रानी, जिया शंकर और एल्विश यादव शामिल हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में किए गए एक कार्य के बाद तीनों को नोमिनेट किया गया था। लेटेस्ट एपिसोड में जिया द्वारा घर में अपने दोस्तों को अलविदा कहने के बाद, बिग बॉस ने इस सीजन के लिए टॉप 5 फाइनलिस्ट की भी घोषणा की।

सीमा हैदर व सचिन पर बन रही फिल्म के ऑडिशन शुरू

नोएडा (आईएएनएस)। कथित प्यार की खातिर पाक से भारत आई सीमा हैदर और सचिन की लव स्टोरी को लेकर 'कराची टू नोएडा' नाम से फिल्म बनाने की घोषणा करने वाले प्रोड्यूसर अमित जानी ने काम शुरू कर दिया है। बुधवार शाम से ही इस फिल्म के लिए मेल और फीमेल मॉडल को इनवाइट किया गया था और फिल्म का ऑडिशन शुरू कर दिया गया है। नोएडा के सेक्टर 14 में बुधवार शाम 7 बजे से इस फिल्म के लिए ऑडिशन शुरू हो गया। देश भर के अलग-अलग हिस्सों से आए कई महिला और पुरुष मॉडल ने इसमें हिस्सा लिया और ऑडिशन दिया। इसके साथ ही साथ एक पोस्टर भी लॉन्च किया गया है। जिसमें कराची टू नोएडा को 2024 में सिनेमाघरों में दिखाने की बात की गई है। दरअसल मेरठ के रहने वाले अमित जानी ने पहले सीमा हैदर और सचिन मीणा को अपनी बन रही फिल्म में काम करने का ऑफर दिया था। उसके बाद प्रड्यूसर ने सीमा और सचिन पर ही फिल्म बनाने का फैसला लिया और टाइटल कराची टू

नोएडा को रजिस्टर्ड कराया। इसके बाद इसकी स्क्रिप्ट लिखने का और अन्य काम शुरू हो गये। बुधवार शाम से इस फिल्म के ऑडिशन के लिए मेल और फीमेल मॉडल को इनवाइट किया गया था और उनका ऑडिशन भी शुरू हो गया।

थ्रेड्स में पोस्ट को सीधे इंस्टाग्राम डीएम पर कर सकेंगे शेयर

सैन फ्रांसिस्को (आईएएनएस)। मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इस सप्ताह थ्रेड्स में आने वाले नए फीचर्स की घोषणा की है, जिसमें इंस्टाग्राम डायरेक्ट मैसेज (डीएम) में सीधे पोस्ट शेयर करने की क्षमता, एक मेंशन बटन और बहुत कुछ शामिल है। जुकरबर्ग ने बुधवार को पोस्ट किया, पोस्ट को सीधे अपने इंस्टाग्राम डीएम पर शेयर करें। उन्होंने एक नए मेंशन बटन की भी घोषणा की जो यूजर्स को थ्रेड में किसी के अकाउंट का आसानी से उल्लेख करने और फोटो या वीडियो में कस्टम ऑल्ट-टेक्स्ट जोड़ने की क्षमता में मदद करेगा। इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने थ्रेड्स पर नए फीचर्स

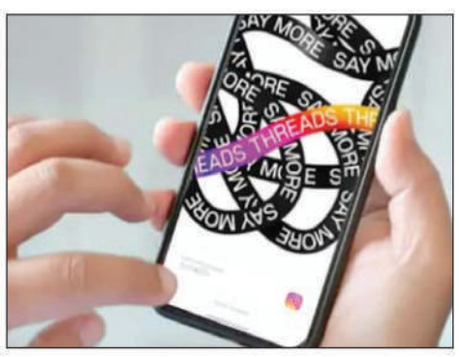

की भी घोषणा की, जिन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में देखा गया था।

उन्होंने आधिकारिक तौर पर योर लाइक्स ऑप्शन पेश किया जो यूजर्स को उनकी पसंद की पोस्ट देखने की अनुमति देता है, और यूजर्स द्वारा फॉलो किए जाने वाले अकाउंट्स को क्रमबद्ध करने की क्षमता देता है। मोसेरी ने कहा, हमने मास्टोडॉन जैसे प्लेटफॉर्म पर आइडेंटिटी वेरिफाई करने में मदद करने के लिए थ्रेड्स सपोर्ट भी शुरू किया है। अब आप अपनी आइडेंटिटी वेरिफाई करने के लिए समर्थित प्लेटफॉर्म पर अपना थ्रेड्स प्रोफ़ाइल लिंक जोड़ सकते हैं।

कर्ज वसूली में सख्ती बरत सकते हैं बैंक

■ रिजर्व बैंक ने वसूली प्रयास दोगुने करने को कहा

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने बृहस्पतिवार को बैंकों से ऋण वसूली के प्रयासों को दोगुना करने को कहा। उन्होंने कर्ज को बट्टे खाते में डालने से होने वाले नुकसान को सीमित करने के लिए कहा, जिससे उन्हें अधिक मुनाफा कमाने में मदद मिलेगी।

हाल में केंद्रीय बैंक से जुड़े स्वामीनाथन ने कहा कि कर्ज को बट्टे खाते में डालने से बैंक की वसूली करने की क्षमता या उधारकर्ता की बकाया चुकाने की क्षमता कम नहीं होती है, और वसूली से बैंक को अधिक मुनाफा कमाने में मदद मिल सकती है। सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में संसद को बताया था कि बैंकों ने वित्त वर्ष 2014-15 से 14.56 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज बट्टे खाते में डाला है। स्वामीनाथन ने यहां केंद्रीय बैंक के मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, 'हम चाहेंगे कि बैंक ऋण वसूली के अपने प्रयासों को दोगुना करें। इन्हें विशेष खातों में रखा गया है और हम चाहेंगे कि इनसे अधिक वसूली हो।'

उन्होंने कहा कि ऐसे गैर-निष्पादित आस्ति (एनपीए) खाते जो 4-5 साल से अधिक पुराने हैं, उनमें वसूली की संभावना कम होती है। इसलिए एनपीए कितना पुराना है और उसमें अंतरनिर्हित मूल्य पर भी विचार होना चाहिए।

मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद शेयर बाजार टूटे

मुंबई (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स करीब 308 अंक टूट गया। मौद्रिक समीक्षा में बैंकों से अतिरिक्त नकदी लेने की अप्रत्याशित घोषणा के बाद बाजार नीचे आया। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को लगातार तीसरी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दर रेपो को 6.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 307.63 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,688.18 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 89.45 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,543.10 अंक पर बंद हुआ।

सीआरआर से बैंकों से एक लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त नकदी निकलेगी

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीमित अवधि के लिए 10 प्रतिशत 'वृद्धिशील' नकद आरक्षित अनुपात (आई-सीआरआर) से बैंकों से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की नकदी निकालने में मदद मिलेगी। मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा के बाद दास ने संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा परिस्थिति में यह बेहतर कदम है। बैंकों के पास पर्याप्त नकदी है और वे कर्ज गतिविधियों को जारी रख सकते हैं।

द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में उन्होंने कहा कि इस साल 19 मई से 2,000 रुपए के नोट बैंकों में वापस आने से नकदी बढ़ी है। इसको देखते हुए यह कदम उठाया गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या इसमें एचडीएफसी बैंक के साथ एचडीएफसी लि. के विलय का प्रभाव भी शामिल होगा, दास ने कहा कि यह कदम सभी अनुसूचित बैंकों पर लागू है। दास ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में हाल में हुई वृद्धि का कारण खाद्य वस्तुओं की महंगाई है। उन्होंने कहा, 'अगर हम पूर्व के अनुभव को देखें, तो सब्जियों के दाम में कुछ महीनों में सुधार का रुख देखने को मिल सकता है। इसके अलावा मानसून की अच्छी प्रगति से खरीफ फसलों की स्थिति बेहतर है।'

दास ने कहा कि हालांकि अगर ये चीजें लंबे समय तक बनी रहती हैं तो आरबीआई कदम उठाएगा। इसके लिये केवल दर में बढोतरी की जरूरत नहीं है बल्कि वृद्धिशील सीआरआर की तरह के और कदम हो सकते हैं।

रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं

■ बैंक कर्ज की ईएमआई में नहीं होगा इजाफा ■ मौद्रिक नीति में उदार रुख अब वापस होगा

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बढ़ती खुदरा महंगाई को काबू में रखने के साथ अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से बृहस्पतिवार को लगातार तीसरी बार नीतिगत दर रेपो को 6.5% पर बरकरार रखा। इसका मतलब है कि मकान, वाहन समेत अन्य कर्ज की ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी के अनुमान को भी 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा है। वहीं चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.4% कर दिया है।

रेपो दर : मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, 'एमपीसी ने मौजूदा परिस्थितियों पर गौर करते हुए आम सहमति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया।' इसके साथ, स्थायी जमा सुविधा 6.25 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) और बैंक दर 6.75% पर बनी रहेगी।

फ्लोटिंग से फिक्सड दर का विकल्प : केंद्रीय बैंक कर्ज लेने वालों को फ्लोटिंग ब्याज दर से निश्चित (फिक्स्ड) ब्याज दर का विकल्प चुनने की अनुमति देने की तैयारी कर रहा है। इस कदम से मकान, वाहन और अन्य कर्ज लेने वाले लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

मुद्रास्फीति : गवर्नर ने कहा कि एमपीसी मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के लक्ष्य के दायरे में लाने और आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के मकसद से मौद्रिक नीति में उदार रुख को वापस लेने पर अपना ध्यान बनाए रखेगी।

वृद्धि दर : दास ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के स्तर पर ऊंची मुद्रास्फीति, कर्ज में वृद्धि तथा तंग और उतार-चढ़ाव वाली वित्तीय स्थिति तथा भू-राजनीतिक तनाव को लेकर चिंता बरकरार है। उन्होंने कहा, 'इन चिंताओं का ज्यादातर विकसित व उभरती अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि पर असर पड़ने की आशंका है। हालांकि, भारत अन्य देशों के मुकाबले इससे निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि जीडीपी वृद्धि दर पहली तिमाही में 8.0 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.0 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

डिजिटल भुगतान : आरबीआई ने उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल भुगतान को बेहतर बनाने के लिए भी कदम उठाया है। इसके तहत अब यूजर्स कृत्रिम मेधा के जरिए भुगतान कर सकेंगे।

यूपीआई लाइट : दास ने कहा कि यूपीआई-लाइट के जरिए यूपीआई पर 'नियर फील्ड कम्युनिकेशन' प्रौद्योगिकी का उपयोग कर आफलाइन भुगतान की सुविधा दी गई है। साथ ही आफलाइन तरीके से छोटी राशि के डिजिटल पेमेंट के लिए सीमा 200 रुपए से बढ़ाकर ₹500 कर दी गई है।

राहत

- रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रही
- जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.5% पर बरकरार
- मुद्रास्फीति अनुमान बढ़कर 5.4% हुआ
- यूपीआई पेमेंट एआई का इस्तेमाल होगा
- यूपीआई-लाइट में नई तकनीक का यूज
- आफलाइन पेमेंट में एनएफसी तकनीक
- यूपीआई लाइट में छोटे पेमेंट की सीमा बढ़ी
- सीआरआर अनुपात 4.5% पर कायम
- एमपीसी की अगली बैठक 4-6 अक्टूबर को

सब्जी, अनाज व दाल के दाम चढ़ने से महंगाई बढ़ी है। निकट भविष्य में मुद्रास्फीति और बढ़ सकती है।' इसे देखते हुए वित्त वर्ष में 2023-24 के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत किया गया है।

शक्तिकांत दास, गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक

क्या है रेपो व रिवर्स रेपो दर

रेपो वह दर है, जिसपर बैंक अपनी फौरी जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। जबकि रिवर्स रेपो दर के तहत बैंक अपने पास मौजूद अतिरिक्त नकदी रिजर्व बैंक में जमा कर देते हैं जिसपर उनको ब्याज मिलता है

नियमों की समीक्षा

आरबीआई वित्तीय मानकों में सुधार के लिए नियमों की समीक्षा करेगा। बैंक इस समीक्षा के तहत एक विस्तृत एवं जोखिम पर आधारित प्रारूप तैयार करेगा।

संक्षिप्त खबरें

जी-20 कान्फ्रेंस आयोजित

नई दिल्ली। आईआईएलएम यूनिवर्सिटी ने अपने कैम्पस में जी-20 कान्फ्रेंस का आयोजन किया। यह 'दुनिया को बेहतर बनाने के लिए सतत विकास के लक्ष्यों (एसडीजी) को पूरा करने' के विषय पर केंद्रित था। यह जाने-माने विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और विचारकों को एक मंच पर उपस्थित हो कर वैश्विक मुद्दों के समाधान पर उनके विचार रखने और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा करने के बारे में सूझबूझ व्यक्त करने का बड़ा अवसर था। इस मौके पर यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर प्रोफेसर सुजाता शाही ने कहा कि ये सत्र बहुत सूचनाप्रद होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जी20 इंडिया प्रेसीडेंसी के मुख्य समन्वयक हर्ष वर्धन श्रृंगला रहे।

लाखों MSME बने डिजिटल

बेंगलुरु। अमेज़न इंडिया ने 62 लाख से अधिक सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को संचयी रूप से डिजिटलीकृत किया है और लगभग 8 बिलियन डालर के संचयी निर्यात को सक्षम बनाया है। कंपनी ने अब तक भारत में 13 लाख (1.3 मिलियन) से अधिक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष नौकरियों का सृजन किया है। अमेज़न ने 1 करोड़ एमएसएमई को डिजिटल बनाने, 20 बिलियन डालर के संचयी निर्यात को सक्षम करने और 2025 तक भारत में 20 लाख नौकरियां पैदा करने का वादा किया था। यह जानकारी अमेज़ॅन इंडिया के इंडिया कंज्यूमर बिजनेस के कंट्री मैनेजर, मनीष तिवारी ने दी।

मैन ऑफ़ प्लैटिनम संग्रह

नई दिल्ली। प्लैटिनम गिल्ड इंटरनेशनल ने नया कलेक्शन इंडिया'ज मैन ऑफ़ प्लैटिनम लांच किया है। मैन आफ प्लैटिनम ज्वैलरी रेंज जटिल डिजाइनों को प्रदर्शित करती है। नया मैन ऑफ प्लैटिनम कलेक्शन पुरुषों के लिए बहुमुखी प्लैटिनम पीस की रेंज में चेन, पेंडेंट और ब्रेसलेट शामिल हैं। कंपनी ने यहां जारी बयान में बताया कि 95 प्रतिशत शुद्ध प्लैटिनम से बना और दिव्यता से प्रेरित इस संग्रह का प्रत्येक पीस इन अद्भुत पुरुषों की शक्ति और गुण का प्रतीक है।

केएसबी की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली। केएसबी लिमिटेड ने 2022 (जनवरी से जून 2022) की तुलना में (जनवरी से जून 2023) की अपनी हॉफ ईयरली सेल में 10,809 मिलियन रुपए की सेल वैल्यू के साथ 24.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वर्ष 2023 के दूसरे क्वार्टर के प्रदर्शन को सारांशित करते हुए, केएसबी लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट फारुख भथेना ने कहा केएसबी ने 2023 की दूसरे क्वार्टर के दौरान उल्लेखनीय प्रदर्शन और महत्वपूर्ण विकास प्रदर्शित किया।(एजेंसियां)

यूपीआई लाइट पर भुगतान सीमा बढ़ी

■ आफलाइन पेमेंट में एक बार में ₹200 की जगह भेज सकेंगे 500 रुपए

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान की पहुंच व इस्तेमाल को और बढ़ाने के लिए 'यूपीआई लाइट' पर आफलाइन माध्यम से एक बार में भुगतान की सीमा को 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए करने का प्रस्ताव किया है।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि यूपीआई पर छोटे मूल्य के लेनदेन की गति बढ़ाने के लिए सितम्बर, 2022 में 'यूपीआई लाइट' को लाया गया था। इसको बढ़ावा देने के लिए 'नियर फील्ड कम्युनिकेशन' (एनएफसी) तकनीक का उपयोग करके आफलाइन लेनदेन की सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि छोटे मूल्य के डिजिटल भुगतान के लिए नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) और यूपीआई लाइट सहित आफलाइन मंच से एक बार में 200 रुपए भेजने की सीमा को बढ़ाकर 500 रुपए करने का प्रस्ताव है। हालांकि, अब भी कुल भुगतान सीमा 2,000 रुपए ही रहेगी। इसका मकसद भुगतान के इस तरीके की स्वीकार्यता बढ़ाना है।

दास ने कहा कि यह सुविधा न केवल खुदरा क्षेत्र को डिजिटल रूप से सक्षम बनाएगी, बल्कि जहां इंटरनेट/दूरसंचार संपर्क कमजोर है या उपलब्ध नहीं है वहां कम राशि का लेनदेन इससे संभव हो पाएगा। वहीं नवीन भुगतान मोड अर्थात यूपीआई (एकीकृत भुगतान प्रणाली) पर 'कन्वर्सेशनल पेमेंट्स' (संवादात्मक भुगतान) की सुविधा शुरू करने जा रहा है। आरबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, इसके जरिए उपयोगकर्ता लेन-देन के लिए कृत्रिम मेधा यानी एआई-संचालित प्रणाली के साथ संवाद स्थापित कर पाएंगे। यह एकदम सुरक्षित व संरक्षित लेनदेन होगा।

यह विकल्प स्मार्टफोन और फीचर फोन आधारित यूपीआई मंच दोनों में जल्द उपलब्ध होगा। इससे देश में डिजिटल क्षेत्र का विस्तार होगा। हिंदी और अंग्रेजी के बाद इसे अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाएगा। आरबीआई के अनुसार, इन सभी घोषणाओं के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को निर्देश जल्द जारी किए जाएंगे।

बाधा रहित कर्ज सुलभ कराने के लिए बन रहा नया मंच

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वंचित क्षेत्रों में कर्ज की निर्बाध पहुंच सुलभ कराने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के मकसद से सार्वजनिक प्रौद्योगिकी मंच तैयार कर रहा है।

द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि रिजर्व बैंक नवोन्मेष केंद्र (आरबीआईएच) सुलभ कर्ज उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक प्रौद्योगिकी मंच तैयार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय बैंक ने आरबीआईएच के साथ मिलकर बैंकों और ग्राहकों के बीच डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से निर्बाध कर्ज वितरण के लिए सितम्बर, 2022 में पायलट (प्रायोगिक) परियोजना शुरू की थी। इसकी शुरुआत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण से हुई। केसीसी कर्ज के लिए पायलट परियोजना वर्तमान में एमपी, तमिलनाडु, कर्नाटक, यूपी व महाराष्ट्र के चुनिंदा जिलों में चल रही है।

मौद्रिक नीति को रियल एस्टेट उद्योग ने सराहा

नई दिल्ली (भाषा)।

रिजर्व बैंक द्वारा बृहस्पतिवार को पेश की गई मौद्रिक समीक्षा को रियल एस्टेट उद्याग्रे ने सराहा है। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई के चेयरमैन एवं सीईओ अंशुमान मैगजीन ने कहा, 'हम रेपो दर में बदलाव न करने के आरबीआई के फैसले का स्वागत करते हैं।'

नारेडको के अध्यक्ष राजन बन्देलकर ने कहा, 'आरबीआई का रेपो दर पर यथास्थिति का निर्णय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण कदम है। गौड़ ग्रुप के मुख्य प्रबंध निदेशक एवं क्रेडाई (एनसीआर) के चेयरमैन मनोज गौड़ ने कहा, 'संतुलन बनाए रखने के लिए आरबीआई का रेपो दर में बढ़ोतरी न करना अच्छा है। नाइट फ्रैंक इंडिया के सीएमडी शिशिर बैजल ने कहा, 'हमें खुशी है कि आरबीआई ने लगातार तीसरी बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया।'' रियल्टी और इंफ्रा इंडिया लिमिटेड के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नितिन बाविसी ने कहा, 'मांग बढ़ने और मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारत में समग्र आर्थिक स्थितियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक बनी हुई हैं। रेपो दर पर यथास्थिति बनाए रखने का आरबीआई का कदम अपेक्षित और स्वागतयोग्य है।'

त्रेहान ग्रुप के प्रबंध निदेशक सारांश त्रेहान ने कहा, 'रेपो दर को यथावत बनाए रखने से मुद्रास्फीति की दर और घटेगी, जो निस्संदेह कम हो रही है।' सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा, 'मौजूदा ब्याज दर में बदलाव नहीं करने का आरबीआई का फैसला संभावित मकान खरीदारों पर वित्तीय बोझ को कम करने की दिशा में एक आशाजनक कदम है।'

नवराज ग्रुप के प्रबंध निदेशक नवीन कुमार ने कहा, 'भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तीसरी बार रेपो दर में कोई बदलाव न करना रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए फायदेमंद है। इससे निवेशकों को आकर्षित करने और स्थायी निवेश उद्यमों को बढ़ावा देने का भरोसा मिलता है। अंसल हाउसिंग के निदेशक कुशाग्र अंसल ने कहा, 'रेपो दर यथावत रखना एक सराहनीय कदम हैं।' एक्सिओम लैंडबेस के प्रबंध निदेशक राजेश के. सराफ ने कहा, 'रेपो दर में बदलाव नहीं करना भारतीय रिजर्व बैंक का एक सकारात्मक निर्णय है। ओमेक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मोहित गोयल ने कहा, 'रेपो दर को यथावत रखने का निर्णय देश की आर्थिक बुनियाद में सुधार और भारत की आर्थिक वृद्धि में विश्वास को दर्शाता है।'

गंगा रियल्टी के संयुक्त प्रबंध निदेशक विकास गर्ग ने कहा, 'आरबीआई के इस निर्णय से घरों की मांग स्थिर करने और संपत्ति बाजारों में सकारात्मक संतुलन बनेगा।' राजदरबार रियल्टी की निदेशक राधिका राकेश गर्ग ने कहा, 'छह बढ़ोतरी के बाद, लगातार दो बार ब्याज दर में बदलाव न करने का आरबीआई का निर्णय स्वागतयोग्य है।

उद्योग संगठनों की राय

नई दिल्ली (भाषा)। मौद्रिक नीति पर विशेषज्ञों व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों मिलीजुली प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद आरबीआई-एमपीसी के पास कई सकारात्मक बातें भी थीं, जैसे 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि, विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग में वृद्धि और प्रमुख क्षेत्रों में निजी निवेश का पुनरुद्धार। उद्योग निकाय फिक्की के अध्यक्ष शुभ्रकांत पांडा ने कहा कि एमपीसी ने नीतिगत दर पर यथास्थिति बनाकर संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है, जो मुद्रास्फीति को लक्षित करते हुए वृद्धि का समर्थन करेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि आरबीआई ने इस बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया है, जो उम्मीद के मुताबिक है। इक्रा के उपाध्यक्ष (वित्तीय क्षेत्र रेटिंग) एएम कार्तिक ने कहा कि ऋण के बढ़ते खुदराकरण को देखते हुए परिवर्तनशील दर वाले कर्ज में अवधि या ईएमआई में बदलाव को पारदर्शी रूप से बताने का प्रस्ताव स्वागतयोग्य है

ज़ी-सोनी विलय पर एनसीएलटी की मुहर

मुंबई (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र की कंपनी ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड और कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट (पूर्व में सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया) के विलय की बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने दोनों कंपनियों के विलय की मंजूरी देकर 10 अरब डालर की दिग्गज मीडिया कंपनी के अस्तित्व में आने का रास्ता खोल दिया है। यह अपने क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी कंपनी होगी।

एचवी सुब्बाराव और मधु सिन्हा की पीठ ने इस विलय को लेकर दायर सभी आपत्तियों को भी खारिज कर दिया। एनसीएलटी ने 11 जुलाई को कई कर्जदाताओं की आपत्तियां सुनने के बाद विलय पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। न्यायाधिकरण ने एक्सिस फाइनेंस, जेसी फ्लावर एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी, आईडीबीआई बैंक, आईमैक्स कॉर्प और आईडीबीआई ट्रस्टीशिप जैसे कर्जदाताओं की दलीलें सुनी थीं। दिसंबर 2021 में, ज़ी एंटरटेनमेंट और सोनी पिक्चर्स अपने कारोबार का विलय करने पर सहमत हुई थीं। दोनों मीडिया समूहों ने एनएसई, बीएसई और प्रतिस्पर्धा आयोग और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड जैसे नियामकों से अनुमति प्राप्त करने के बाद विलय को मंजूरी देने के लिए न्यायाधिकरण से संपर्क किया था।

पीएंडडब्ल्यू इंजन में गड़बड़ी से इंडिगो के बेड़े पर खास असर नहीं

नई दिल्ली (भाषा)।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) के कुछ इंजन में पाई गई गड़बड़ी का इंडिगो के बेड़े पर बहुत कम असर पड़ेगा, क्योंकि एयरलाइन के सिर्फ दो परिचालन वाले इंजन को निरीक्षण के लिए हटाने की जरूरत पड़ेगी।

डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इंडिगो के विमानों में जहां कुल 15 इंजन प्रभावित होंगे लेकिन उनमें से 13 इंजन पहले से ही उपयोग में नहीं हैं। इंडिगो ए320 विमानों की सबसे बड़ी ग्राहक है और ये विमान पीएंडडब्ल्यू इंजन से लैस होते हैं। ठप खड़ी विमानन कंपनी गो फर्स्ट के ए320 नियो बेड़े में भी पीएंडडब्ल्यू इंजन का उपयोग किया गया है। अमेरिकी कंपनी पीएंडडब्ल्यू ने पिछले महीने कहा था कि यह पाया गया है कि इंजन के कुछ हिस्सों के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली पाउडर धातु उन हिस्सों के जीवन को कम कर सकती है।

गेमिंग मंच हाइक ने छंटनियां की

नई दिल्ली (भाषा)।

आनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के फैसले के बाद इस क्षेत्र से जुड़े मंच 'हाइक' ने अपने करीब 55 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। यह कंपनी के कुल कार्यबल का पांचवां हिस्सा है। हाइक के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कविन भारती मित्तल ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'करीब 55 लोग हटाए गए हैं जिनमें से 24 अस्थायी कर्मचारी हैं। यह कर्मचारियों की कुल संख्या का करीब 22 प्रतिशत है। हमारा कारोबार बेहतरीन स्थिति में है लेकिन जीएसटी में 400 प्रतिशत का उछाल हमारे लिए बड़ा झटका है।'

मित्तल ने कहा कि आनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाने से पड़ने वाले असर को कुछ हद तक कंपनी बर्दाश्त करेगी और इसी वजह से कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा रही है। हाइक मंच की समूची टीम वेब 3 गेमिंग मंच रश गेमिंग यूनिवर्स के विकास से जुड़ी हुई है। कंपनी करीब 52 लाख मासिक उपयोगकर्ताओं की मौजूदगी का दावा करती है। इसने विजेता राशि के तौर पर सालाना 30.8 करोड़ डालर की रकम वितरित की है। इसके पहले मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) ने अपनी भारतीय इकाई के आधे कर्मचारियों यानी करीब 350 लोगों की छंटनी की घोषणा की थी।

हेल्थ प्रोडक्ट के विज्ञापन में हस्तियों को करना होगा 'खुलासा'

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों या चिकित्सकों के रूप में किसी उत्पाद या सेवा का विज्ञापन करते समय मशहूर हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और डिजिटल इंफ्लूएंसर के लिए अपनी मूल स्थिति के बारे में 'खुलासा या घोषणा' करना जरूरी है।

उपभोक्ता मंत्रालय की तरफ से जारी नए दिशानिर्देशों के मुताबिक, मान्यता-प्राप्त संस्थानों से प्रमाण-पत्र पाने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्य एवं फिटनेस विशेषज्ञों को भी जानकारी साझा करते समय या उत्पादों या सेवाओं का प्रचार करने या स्वास्थ्य संबंधी कोई भी दावा करते समय यह 'खुलासा' करना जरूरी है कि वे प्रमाणित स्वास्थ्य या फिटनेस विशेषज्ञ और चिकित्सक हैं।

मंत्रालय ने कहा, 'अतिरिक्त दिशानिर्देशों का उद्देश्य भ्रामक विज्ञापनों, निराधार दावों से निपटना और स्वास्थ्य और कल्याण समर्थन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।' ये दिशानिर्देश नौ जून, 2022 को भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के संबंध में जारी दिशानिर्देशों का ही विस्तार हैं। मंत्रालय ने कहा, 'खुद को स्वास्थ्य विशेषज्ञ या चिकित्सक के तौर पर पेश करने वाली हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और डिजिटल इंफ्लूएंसर को कोई भी जानकारी साझा करते समय, उत्पादों या सेवाओं के विज्ञापन या स्वास्थ्य संबंधी कोई भी दावा करते समय एक स्पष्ट घोषणा देनी होगी ताकि दर्शक उनकी राय को पेशेवर चिकित्सा सलाह, निदान या उपचार के विकल्प के रूप में न देखें।'

इन निर्देशों को स्वास्थ्य मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण और भारतीय विज्ञापन मानक परिषद के साथ चर्चा के बाद जारी किया गया है।

खाद्य पदार्थों और पौष्टिक उत्पादों से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ, बीमारी की रोकथाम, उपचार या इलाज, चिकित्सा स्थितियों या प्रतिरक्षा बढाने आदि जैसे मुद्दों पर बात या दावे करते समय यह यह 'खुलासा या घोषणा' जरूरी है। इसके मुताबिक, यह खुलासा या घोषणा किसी उत्पाद या सेवा के समर्थन, प्रचार या स्वास्थ्य संबंधी दावे करने के किसी भी अवसर पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

इसके साथ ही मंत्रालय ने स्वास्थ्य विशेषज्ञ या चिकित्सक के रूप में पेश होते समय हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और डिजिटल इंफ्लूएंसर को अपनी निजी राय और पेशेवर सलाह के बीच स्पष्ट अंतर रखने और ठोस तथ्यों के बगैर खास तरह के स्वास्थ्य दावे करने से बचने की नसीहत भी दी है।

घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली (भाषा)। घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 2.94 प्रतिशत बढ़कर 3,02,521 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जुलाई 2022 में विनिर्माताओं द्वारा डीलरों को 2,93,865 यात्री वाहनों की आपूर्ति की गई थी।

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री घटकर 12,82,054 इकाई रह गई। जुलाई 2022 में यह 13,81,303 इकाई रही थी। इस दौरान तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 56,034 इकाई रही।

रोहित ने माना, एशिया और विश्व कप से पहले वनडे में 'नंबर-4' पर कोई सफल नहीं

वर्ल्ड कप के दो महीने पहले बढ़ी टीम इंडिया की परेशानी

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

मुंबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि युवराज सिंह के संन्यास लेने के बाद भारतीय वनडे टीम में बल्लेबाजी क्रम में नंबर चार पर कोई भी बल्लेबाज खास सफल नहीं हो पाया और विश्वकप से पहले यह टीम के लिए एक मसला है। वनडे विश्व कप में अब दो महीने का समय बचा है लेकिन भारत अब भी बल्लेबाजी क्रम में नंबर चार स्थान के लिए उपयुक्त खिलाड़ी ढूंढ रहा है।

इससे पहले 2019 के विश्व कप में भी भारतीय टीम के लिए यह स्थान बड़ा मसला बना हुआ था। चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अब वापसी की तैयारियों में जुटे श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 20 मैचों में 805 रन बनाए जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं।

किसी का स्थान पक्का नहीं

रोहित ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, 'देखिए बल्लेबाजी क्रम में नंबर चार स्थान पिछले लंबे समय से एक मसला बना हुआ है। युवराज सिंह के संन्यास लेने के बाद कोई भी अन्य खिलाड़ी इस नंबर पर अपना स्थान पक्का नहीं कर पाया। लेकिन पिछले कुछ समय से श्रेयस अय्यर नंबर चार पर बल्लेबाजी कर रहा था और उसने अच्छा प्रदर्शन भी किया। उसके आंकड़े वास्तव में शानदार हैं। दुर्भाग्य से चोटिल होने के कारण वह परेशानी में रहा। चोटिल होने के कारण वह पिछले कुछ समय से बाहर है और ईमानदारी से कहूं तो पिछले चार-पांच वर्षों से ऐसा हो रहा है। इनमें से कई खिलाड़ी चोटिल हो गए और ऐसे में नए खिलाड़ी को उस स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा।'

थाल में सजाकर नहीं मिलती विश्व कप जीत

कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि भारत आगामी एकदिवसीय विश्व कप में आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने के लिए 'बेताब' है और उसके पास खिताब जीतने के लिए 'आत्मविश्वास' है। भारत ने एक दशक से आईसीसी प्रतियोगिताओं में खिताब नहीं जीता है। रोहित ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी (50 ओवर का) विश्व कप नहीं जीता है। विश्व कप जीतना सपना है और यहां इसके लिए चुनौती पेश करने से खुशी की बात कुछ और नहीं हो सकती। आपको विश्व कप थाल में सजाकर नहीं मिलता, आपको कड़ी मेहनत करनी होती है और 2011 से इतने वर्षों से हम यही कर रहे हैं। हम सभी इसके लिए लड़ रहे हैं।'

टीम से बाहर किए जाने से थोड़ा हैरान था : धवन

नई दिल्ली। भारत के सीनियर बल्लेबाज शिखर धवन भारत की एशियाई खेलों की टीम से बाहर किए जाने से थोड़े हैरान थे लेकिन वह निकट भविष्य में राष्ट्रीय टीम में वापसी करने के लिए दृढ़ हैं। शीर्ष खिलाड़ी घरेलू सरजमीं पर होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों में व्यस्त हैं और भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सितंबर-अक्टूबर में होने वाले हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए युवाओं की टीम घोषित कर दी। इस 37 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज के चीन में होने वाले एशियाड के लिए टीम की अगुआई करने की उम्मीद की जा रही थी क्योंकि यही भूमिका वह 10 महीने पहले तक निभा रहे थे। लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें नहीं चुना और ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान घोषित किया।

खबर संक्षेप

मुलयो एनसीई के एकल कोच नियुक्त

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के मुलयो हांडोयो को गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में एकल मुख्य कोच नियुक्त किया गया, साथ ही भारतीय बैडमिंटन संघ ने इस नव निर्मित सुविधा में दो और विदेशी कोच को शामिल किया है। पूर्व आल इंग्लैंड चैंपियन रूस के इवान सोजोनोव युगल कोच होंगे जबकि कोरिया के पार्क ताई सांग तीसरे विदेशी कोच होंगे। पार्क ताई सांग ने टोक्यो ओलंपिक में पीवी सिंधू का मार्गदर्शन किया था जिससे इस भारतीय ने कांस्य पदक जीता था।

स्वर्ण जीत सकती है भारतीय टीम

मुंबई। बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को लगता है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में सवर्ण पदक जीत सकती है। भारतीय महिला टीम ने आईसीसी की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सीधे एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। गायकवाड़ ने कहा, 'निश्चित रूप से, हम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतेंगे। हम सभी बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ खेल चुके हैं, लेकिन हम उसके बारे में सोचते नहीं रह सकते, हमें अपनी टीम पर भरोसा है, हम स्वर्ण पदक जीत सकते हैं।'

धूपर को मध्य प्रदेश सरकार का पुरस्कार

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर को मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य में खेलों में उनके योगदान के लिए जीवन पर्यंत उपलब्धि पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया है। धूपर मध्य प्रदेश टेनिस संघ के सचिव भी हैं। उन्होंने सितंबर 2022 में एआईटीए के महासचिव का पद संभाला था और वह सितंबर 2024 तक इस पद पर बने रहेंगे। मध्य प्रदेश राज्य के पूर्व चैंपियन धूपर को राज्य सरकार इससे पहले टेनिस में उनके योगदान के लिए विक्रम पुरस्कार से भी सम्मानित कर चुकी है।

एशियाई खेलों के बाद करुंगा फैसला

चेन्नई। भारत के अनुभवी हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान लगा रहे हैं।जहां तक उनके भविष्य का संबंध हैं तो उनका कहना है कि वह देखेंगे कि सितंबर-अक्टूबर में चीन में एशियाई खेलों के बाद चीजें किस तरह से आगे बढ़ती हैं। भारत के लिए 2006 में पदार्पण करने वाले महान गोलकीपर श्रीजेश (35 वर्ष) अब 300 अंतरराष्ट्रीय मैचों के करीब हैं। वह इस समय भारत के लिए कृष्ण बहादुर पाठक के साथ मिलकर यहां चल रही एशियाई चैंपियंस ट्राफी में गोलकीपिंग की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

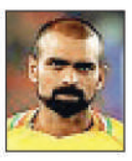

अल्काराज की लगातार 13वीं जीत, शेल्टन को दी शिकस्त

नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर में बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 से हराया

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

विंबलडन खिताब जीतने के बाद पहला मैच खेल रहे शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर में बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 से मात दी। अमेरिकी ओपन में खिताब का बचाव करने की तैयारी में जुटे अल्काराज ने क्वींस खिताबी जीत से अब तक लगातार 13 मैच जीत लिए हैं, अब उनकी भिड़ंत तीसरे दौर में 15वीं वरीयता प्राप्त हुबर्ट हुर्काज से होगी जिन्होंने मियोमीर केसमानोविच पर 5-7, 6-3, 6-0 से जीत हासिल की।

एंडी मरे ने मैक्स पुर्सेल पर 7-6 (2), 3-6. 7-5 से जीत दर्ज की। अब तीन बार के विजेता मरे का सामना यानिक सिनर से होगा। दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने दोपहर के सत्र में माटियो अर्नाल्डी को 6-2, 7-5 से पराजित किया। शीर्ष पांच वरीय खिलाड़ियों में से तीन बाहर हो चुके हैं। गेल मोंफिल्स ने चौथे वरीय स्टेफानोस सिटसिपास को 6-4, 6-3 से हराकर उलटफेर किया जबकि मार्कोस गिरोन ने होल्गर रूने को 6-2, 4-6, 6-3 से मात देकर बाहर किया। मैंकेजी मैकडोनल्ड ने छठे वरीय आंद्रे रूबलेव को 6-4, 6-3 से हराया। सातवें वरीय सिनर ने माटियो बेरेटेनी को 6-4, 6-3 से मात दी।

स्वियाटेक ने प्लिस्कोवा को हराया

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने पहले सेट में मिली चुनौती से पार पाते हुए नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर कैरोलिना प्लिस्कोवा को 7-6 (6), 6-2 से शिकस्त दी। अब स्वियाटेक का सामना 14वीं वरीय कैरोलिना मुचोवा से होगा जिन्होंने सोराना क्रिस्टी पर 7-5, 6-4 से जीत हासिल की। स्वियाटेक इस साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में मुचोवा को हरा चुकी हैं। रात्रि सत्र में दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पेट्रा मार्टिच को 6-3, 7-6 (5) से पराजित किया।

मार्केटा ने जीता मैच

मार्केटा वोंद्रोयूसोवा ने कैरोलिन वोज्नियाकी को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत कोको गॉफ से होगी। एलिना रिबाकिना ने जेनिफर ब्रैडी को 6-7(3), 7-6(5), 6-3 से, जेसिका पेगुला ने यूलिया पुतिंतसेवा को 6-4, 6-4 से हराया।

सिंधू, सात्विक-चिराग को पहले दौर में मिली बाई

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और सात्विक साईराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को गुरुवार को यहां बीडब्लूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023 के ड्रॉ में पहले दौर में बाई मिली।

- विश्व चैंपियनशिप का आयोजन डेनमार्क में 21 से

इस साल बीडब्लूएफ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन डेनमार्क के कोपेनहेगन में 21 से 27 अगस्त तक किया जाएगा। वर्ष 2019 में महिला एकल विश्व खिताब जितने वाली सिंधू को मुश्किल ड्रॉ मिला है। उनकी भिड़ंत थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन और शीर्ष वरीय कोरिया की आन से यंग से हो सकती है। विश्व चैंपियनशिप की गत कांस्य पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी शानदार फॉर्म में चल रही है और इस जोड़ी ने कोरिया ओपन में खिताब के बाद पिछले हफ्ते विश्व रैंकिंग में कॅरियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल किया।

प्रणय को मिली दूसरी वरीयता

पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुआई फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय करेंगे जिन्हें इस प्रतियोगिता के लिए दूसरी वरीयता दी गई है। वह पहले दौर में फिनलैंड के केल कोलजोनेन से भिड़ेंगे। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की भिड़ंत पहले दौर में क्रमशः मॉरिशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल और जापान के केंता निशिमोतो से होगी।

सरदार और रामपाल को हॉकी इंडिया ने बनाया अंडर-17 कोच

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

हॉकी इंडिया ने युवा स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए गुरुवार को लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए सब जूनियर (अंडर-17) टीम गठित करने की घोषणा की और इन टीमों के लिए क्रमशः पूर्व राष्ट्रीय कप्तान सरदार सिंह और रानी रामपाल को कोच नियुक्त किया।

राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलने पर नाराज

चेन्नई। पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने पिछले दो साल से राष्ट्रीय टीम से अनदेखी के लिए महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन पर निशाना साधा। टोक्यो ओलंपिक में भारत के पहली बार चौथे स्थान पर रहने के दौरान टीम की अगुआई करने वाली रानी तब से टीम से बाहर हैं। इस 28 साल की स्ट्राइकर ने शॉपमैन से जवाब मांगा कि आखिर क्यों उनकी अनदेखी हो रही है। नाराज रानी ने कहा, 'पिछले दो साल में मेरे साथ जो हुआ वह सही नहीं है। जहां तक मेरे कॅरियर का सवाल है, चोट से वापसी करने, अच्छा प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय खेलों के दौरान खेलने के बावजूद मुझे सीनियर टीम में नहीं चुना गया।सिर्फ कोच ही इसका कारण बता सकती हैं।'

चेन्नईयिन ने हैदराबाद को हराया

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

चेन्नईयिन एफसी ने गुरुवार को यहां डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में हैदराबाद एफसी को 3-1 से हराया। इस जीत से चेन्नईयिन की टीम ग्रुप ई में शीर्ष पर पहुंच गई है। चेन्नईयिन एफसी की ओर से जोर्डन मरे (46वें मिनट) और कोनोर शील्ड्स (15वें मिनट) ने गोल दागे जबकि हैदराबाद के एलेक्स साजी (छठे मिनट) ने आत्मघाती गोल किया। हैदराबाद एफसी की तरफ से एकमात्र गोल चिंगलेनसाना सिंह ने चौथे मिनट में पेनल्टी पर किया।

डोप परीक्षण : नाडा ने लिए 900 से ज्यादा नमूने

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने आगामी एशियाई खेलों से पहले जून और जुलाई में विभिन्न खेलों के 900 से ज्यादा खिलाड़ियों के नमूने इकट्ठे किए जिसमें से 199 सिर्फ ट्रैक एवं फील्ड से ही लिए गए। नाडा द्वारा गुरुवार को जारी ताजा डेटा के अनुसार एजेंसी ने एक जून से 31 जुलाई तक कुल 914 नमूने लिए जिसमें से ज्यादातर मूत्र के ही थे जबकि कुछ रक्त के नमूने थे। एथलेटिक्स के बाद इन दो महीनों में मुक्केबाजी (71), तैराकी (65), भारोत्तोलन (56), साइकिलिंग (55), कबड्डी (52), कुश्ती (46), निशानेबाजी (43) के खिलाड़ियों के नमूने लिए गए। इनकी संख्या वुशु में 35, तलवारबाजी में 33, कैनोइंग में 32, बैडमिंटन में 24, हॉकी में 23, ट्राथलॉन में 23, रोइंग में 20, तीरंदाजी में 15, फुटबॉल में 11, जूडो में 11, सॉफ्टबॉल में 10, इलेक्ट्रोनिक खेलों में आठ, क्लाइंबिंग में सात और क्रिकेट में दो है।

भारत का एशियाई चैंपियंस ट्राफी में जापान से मुकाबला आज

चारों क्वार्टर में मजबूत प्रदर्शन से मिलेगी जीत

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

आत्मविश्वास से भरी भारतीय हॉकी टीम जब शुक्रवार को एशियाई चैंपियंस ट्राफी हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश मैच के पूरे 60 मिनट में मजबूत प्रदर्शन जारी रखने और निरंतरता बनाए रखने की होगी। इसमें कोई शक नहीं कि राउंड रॉबिन चरण में चार मैच जीतकर और एक ड्रा खेलकर अंक तालिका में शीर्ष पर रहा भारत इस मैच में प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेगा।

भारत को जापान से सतर्क रहना होगा क्योंकि वह मेजबान के अलावा ऐसी टीम है जिसे हार का सामना नहीं करना पड़ा है। दोनों टीमों के बीच लीग चरण का मैच भी 1-1 से ड्रा रहा था। विश्व रैंकिंग की बात की जाए तो दोनों टीमों के बीच काफी बड़ा अंतर है जिसमें भारत चौथे और जापान 19वें स्थान पर काबिज है।

जापान ने दर्ज की एक जीत

जहां तक जापान का संबंध है तो उसने पाकिस्तान से बेहतर गोल अंतर की बदौलत सेमीफाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट में उसके प्रदर्शन की बात की जाए तो उसका प्रदर्शन इतना प्रभावी नहीं रहा क्योंकि टीम सिर्फ एक जीत ही हासिल कर पाई और एक मैच गंवा बैठी जबकि दो में उसने ड्रा खेला। भारत भले ही इस मैच में प्रबल दावेदार हो लेकिन जापान मेजबान टीम के खिलाफ अपने पहले के प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा

कोच ने दिया जीत का मंत्र

बुधवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर भारत की 4-0 की जीत के बाद फुल्टन ने कहा कि उनकी टीम के लिए मैच के चारों क्वार्टर में निरंतरता बरकरार रखना अहम होगा। फुल्टन ने कहा, 'हमने प्रत्येक क्वार्टर में हमने अच्छी निरंतरता दिखाई जो हमने जापान के खिलाफ मैच के दौरान (चार अगस्त को 1-1 से ड्रा रहे मैच में) भी दिखाई थी। हमने जापान की तुलना में प्रत्येक क्वार्टर में सर्कल के अंदर काफी ज्यादा बार सेंध लगाई। इसलिये अब यह निरंतरता बरकरार रखने की बात होगी।'

पेनल्टी कॉर्नर पर रहेगा फेकस

भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा (20) गोल किए हैं लेकिन जापान के खिलाफ लीग मैच में खिलाड़ियों ने गोल करने के मौके गंवा दिए थे और मेजबान को शुक्रवार को अपनी इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी खराब 'फिनिशिंग' में काफी सुधार करना होगा। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की टीम जापान के खिलाफ लीग मैच में 15 पेनल्टी कॉर्नर में से केवल एक को ही भुना सकी थी और अब उन्हें पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के तरीके तलाशने होंगे।

फ्रांस के विश्राम गृह में आग लगने से 11 लोगों की मौत

पेरिस, (एजेंसी)। फ्रांस के विंटजेनहेम में दिव्यांगों के एक विश्राम गृह में आग लगने से ग्यारह लोगों की मौत हो गई। कोलमार शहर की उप अभियोजक नथाली कीलवासेर ने बताया कि विश्राम गृह में लगी आग के दौरान दो मंजिला इमारत के भूतल पर सो रहे सभी लोग भागने में सफल रहे और पहली मंजिल पर रहने वाले पांच लोग भी सुरक्षित बाहर आ गए। कुल मिलाकर 17 लोगों को निकाला गया। उन्होंने कहा कि आग संभवत: धीमी गति से जलने वाली लौ के कारण लगी और लकड़ी के सामान को आग की चपेट में आने में कई घंटों का समय लगा होगा। उन्होंने बताया कि आग स्थानीय समयानुसार सुबह करीब साढ़े छह बजे लगी और तुरंत काबू पा लिया गया। इस इमारत में दिव्यांग लोग रह रहे थे जो कि नैन्सी शहर से आए थे।

इक्वाडोर: राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की सिर में एक के बाद एक तीन गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। हमला तब किया जब फर्नांडो रैली करने के बाद कार में बैठ रहे थे। फर्नांडो की हत्या की पुष्टि करते हुए इक्वाडोर के राष्ट्रपति गुइलेर्मो लासो ने कहा है कि आरोपियों का बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सिक्योरिटी ऑफिशियल्स की बैठक बुलाई है। 59 साल के पत्रकार विलाविसेंशियो, 20 अगस्त को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के आठ उम्मीदवारों में से एक थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में फर्नांडो सुरक्षा कर्मियों से घिरे दिखाई दे रहे हैं। वो जैसे ही कार में बैठते हैं तो गोलियां चलनी शुरू हो जाती हैं। इस अटैक में 2 पुलिस अधिकारियों समेत 9 लोग घायल हुए हैं।

मणिपुर में मैतेई महिला से 3 मई को गैंगरेप

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर की एक मैतेई महिला ने कुकी समुदाय के लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को बताया- 3 मई को उपद्रवियों ने उसके घर में आग लगा दी थी। वह अपने दो बेटों, भतीजी और भाभी के साथ जान बचाने के लिए भागी, लेकिन भीड़ ने उसे पकड़ लिया। गालियां दीं, मारपीट की। मैंने विरोध किया तो जमीन पर पटककर गैंगरेप किया। गैंगरेप के बाद किसी तरह मैं अपनी जान बचाकर राहत कैंप पहुंची। घटना के बाद से वह कैंप में ही रह रही थी। महिला ने बताया कि समाज के डर से मैंने अब तक अपने साथ हुई हैवानियत के बारे में किसी से बात नहीं की। लेकिन जब मैंने देखा कि महिलाएं उनपर हुए अत्याचार पर बात कर रही हैं तो मुझमें हिम्मत आई।

आज का इतिहास

- 1347: अलाउद्दीन हसन गंगू ने राजसी सत्ता हासिल की और बहमनी वंश की स्थापना की।
- 1778: दुनिया में जिमनास्टिक्स की नींव रखने वाले जर्मन शिक्षक फ्रेडरिक लुडविग का जन्म।
- 1863: कंबोडिया फ्रांस का संरक्षित क्षेत्र बना।
- 1908: क्रांतिकारी खुदीराम बोस को फांसी दी गई।
- 1914: फ्रांस ने ऑस्ट्रिया और हंगरी पर आक्रमण की घोषणा की।
- 1988: लंदन में समर ओलंपिक की शुरुआत हुई।
- 1961: दादर नगर हवेली का भारत में विलय हुआ और इसे केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया। गोवा की तरह यह इलाका भी कई साल पुर्तगाली उपनिवेश में रहा था।
- 1976: दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन मे दंगों में 17 लोग मारे गए।

50 बार कांग्रेस, 9 बार 'INDIA' गठबंधन पर वार, विपक्ष का बीच में ही वॉकआउट

133 मिनट के रिकॉर्ड तोड़ भाषण से प्रधानमंत्री मोदी ने तैयार की 2024 की पिच

नई दिल्ली ■

गुरुवार को संसद में नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनि मत से गिर गया। वोटिंग की नौबत ही नहीं आई। पीएम के भाषण के दौरान बीच में ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। पीएम के आधे भाषण के बाद सदन में विपक्ष की बेंच खाली रही। हालांकि, पीएम मोदी ने अपना संबोधन जारी रखा। अपने 133 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संसद से ही 2024 का चुनावी एजेंडा सेट कर दिया। उन्होंने दावा किया कि तीसरा टर्म भी नरेंद्र मोदी का ही होगा और यही जनता का विश्वास है। पीएम ने कहा कि नो कॉन्फिडेंस जनता का केंद्र सरकार के खिलाफ नहीं बल्कि कांग्रेस और कांग्रेस से जुड़े दलों के खिलाफ है।

अविश्वास प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब ऐतिहासिक भाषणों में दर्ज हो गया है। दरअसल, किसी भी नो कॉन्फिडेंस मोशन के वक्त किसी प्रधानमंत्री का सबसे लंबा भाषण का रिकॉर्ड भी अब नरेंद्र मोदी के नाम है। जिन्होंने गुरुवार को लाल बहादुर शास्त्री का दो घंटे बारह मिनट का रिकॉर्ड तोड़कर दो घंटे तेरह मिनट तक संबोधन किया। अपने लंबे भाषण में पीएम ने 9 बार इंडिया बोला, 50 बार कांग्रेस और 18 बार मणिपुर का जिक्र आया। पीएम मोदी गुरुवार शाम 4.57 मिनट बजे सदन के भीतर पहुंचे। साथ में थी दर्जनों कागज वाली एक मोटी फाइल। इसे देखकर समझ आ गया था कि नरेंद्र मोदी अब फुल फाइनल इनिंग खेलने वाला कच्चा चिट्ठा लेकर आए हैं। इसके बाद शाम 5 बजकर 7 मिनट पर प्रधानमंत्री संबोधन के लिए खड़े होते हैं। इसके बाद 133 मिनट के अंदर उन्होंने कांग्रेस का

इतिहास याद दिलाया, राहुल गांधी पर बात की, इंडिया गठबंधन को निशाने पर लिया और फिर मणिपुर पर बात की। इसके साथ मोदी ने तीसरे टर्म में देश को दुनिया की तीसरी आर्थिक ताकत बनाने का दावा भी किया।

इस बारात में हर कोई बनना चाहता है दूल्हा

इसके बाद प्रधानमंत्री ने 2024 में उनके सामने जुटे विपक्ष के गठबंधन इंडिया की कमजोर नब्ज दबाई। ये नब्ज है नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष का चेहरा ना होने की। पीएम ने कहा कि ये इंडिया गठबंधन नहीं, घमंडिया गठबंधन। इसकी बारात में हर कोई दूल्हा बनना चाहता है। हर कोई पीएम बनना चाहता है। इस गठबंधन ने ये भी नहीं सोचा कि किस राज्य में आपका किससे कैसा कनेक्शन है।फिर प्रधानमंत्री ने सदन से ही मतदाताओं तक इस संदेश को पहुंचाने की कोशिश की है कि आज बीजेपी के सामने एकजुट होने वाले आगे बिखर जाएंगे।

देश को बनाएं दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था

आगे प्रधानमंत्री ने पहले तो अलग-अलग एजेंसियों के हवाले से दुनिया में बढ़ी देश की ताकत का हिसाब रखा। फिर कहा कि विपक्ष सरकार की साख पर दाग नहीं लगा पाएगा। पीएम ने उदाहरण देकर बताया कि

- नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक पांच साल में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए।
- आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने अति गरीबी को खत्म किया।
- आईएमएफ ने भारत की सीधे खाते में पैसा पहुंचाने वाली डीबीटी स्कीम और दूसरी योजनाओं को लॉजिस्टिकल मार्वल कहा।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जल जीवन मिशन से देश के चार लाखों की जान बचने का दावा किया।

कांग्रेस के नेता जन्मदिन पर हवाई जहाज में काटते हैं केक

पीएम ने आगे परिवारवाद, वंशवाद पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दोहराया कि गरीब का बेटा पीएम बन गया ये बात कांग्रेस को हजम नहीं होती। उन्होंने कहा कि कभी कांग्रेस नेताओं के जन्मदिन पर हवाई जहाज में केक काटे जाते हैं, लेकिन अब उस हवाई जहाज में गरीब के लिए वैक्सीन जाता है। एक जमान था कि ड्राइक्लीन के लिए कपड़े हवाई जहाज से आते है। आज हवाई चप्पल वाला गरीब हवाई जहाज में उड़ रहा है। कभी छुट्टी मनाने, मौज मस्ती के लिए नौसेना के युद्धपोत को मंगवा लेते थे। लेकिन अब उन जहाजों में दूर फंसे भारतीय को लाया जाता है। मोदी ने कहा कि गरीब का बेटा यहां (पीएम की कुर्सी पर) कैसे बैठा है ये बात कांग्रेस को सोने नहीं देती। मोदी बोले कि देश की जनता भी आपको सोने नहीं देगी, 2024 में भी आपको सोने नहीं देगी। इस तरह अविश्वास प्रस्ताव की बहस के तीसरे और आखिरी दिन को 2024 में अपने तीसरे कार्यकाल के लिए जनता के बीच माहौल बनाना वाला बना दिया।

मणिपुर पर झूठ फैलाकर भाग जाते हैं विपक्षी नेता

मोदी के भाषण के बीच विपक्षी नेताओं ने सदन से वॉकआउट किया। उनका कहना था कि मोदी मणिपुर पर नहीं बोल रहे हैं। इसके बाद मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में जिनका भरोसा नहीं होता है वो सुनाने को तैयार होते हैं लेकिन सुनने को तैयार नहीं होते। वे झूठ फैलाकर भाग जाते हैं। इसके बाद मोदी ने मणिपुर पर बात की। वह बोले कि अगर विपक्ष ने गृह मंत्री की चर्चा पर सहमति जताई होती तो लंबी चर्चा हो सकती थी। मोदी ने कहा कि विपक्षी पार्टियां अविश्वास प्रस्ताव पर सभी विषयों पर बोले, हमारा भी दायित्व बनता है कि देश के विश्वास को प्रकट करें और सब चीजों के बारे में बताएं।मोदी ने कहा कि अगर सिर्फ मणिपुर पर चर्चा की बात थी गृहमंत्री ने पत्र लिखकर कहा था लेकिन विपक्ष का इरादा चर्चा का नहीं था। इनके पेट में दर्द था लेकिन फोड़ सिर रहे थे। पीएम ने कहा कि मणिपुर में एक अदालत का फैसला आया। उसके पक्ष-विपक्ष में परिस्थिति बनी और हिंसा का दौर शुरू हुआ। कई लोगों ने अपनों को खोया, महिलाओं के साथ अपराध हुआ। दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार काम कर रही है। देश भरोसा रखे, मणिपुर में शांति का सूरज जरूर उगेगा। मणिपुर के लोगों से भी कहना चाहता हूं कि देश आपके साथ है, हम आपके साथ हैं। बता दें कि पूर्व में विपक्षी दलों ने कहा था कि मोदी ने नॉर्थ ईस्ट को देश का हिस्सा नहीं माना।

एक तरह से विपक्ष का अविश्वास हमारे लिए होता है शुभ...

मोदी ने कहा कि एक तरह से विपक्ष का अविश्वास हमारे लिए शुभ होता है। विपक्ष ने तय कर लिया है कि जनता के आशीर्वाद से एनडीए और भाजपा 2024 के चुनाव में पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़कर शानदार जीत के साथ वापस आएंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने सदन के भीतर 2024 का सबसे बड़ा कप (लोकसभा चुनाव) जीतने का सौ फीसदी भरोसा जनता के सामने रखने से पहले विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव वाली फील्डिंग पर तंज कसा। मोदी ने कहा कि फील्डिंग विपक्ष ने लगाई लेकिन चौके छक्के यहीं (सत्ता पक्ष) से लगे और विपक्ष नो बॉल नो बॉल कर रहा है। इधर सेंचुरी हो रही है, उधर से नो बॉल हो रहा है। विपक्ष से कहूंगा कि तैयारी करके क्यों नहीं आते हो, थोड़ी मेहनत कीजिए, पांच साल दिए थे, 18 में कहा था 23 में आना लेकिन आप पांच साल में तैयारी नहीं कर पाए।

'बैंकों में यूपीए ने फैलाया रायता, समेट हम रहे'

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद में गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल में उपलब्धियों को आंकड़ों के साथ गिनाया। इस दौरान बैंकों की परफॉर्मेंस में आए सुधार के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने पहले की यूपीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपीए ने बैंकों में जो रायता फैलाया था, उसे हम साफ कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने भारतीय बैंकिंग सेक्टर की ग्रोथ को लेकर कहा कि यूपीए के समय बैंकों की हालत बेहद खराब थी, फंसे हुए कर्ज को लेकर कोई कदम नहीं उठाए जा रहे थे। लेकिन बीते 9 साल में बैंकों की सेहत में सुधार हुआ है और बदले हुए हालात सबके सामने हैं।

उन्होंने आंकड़े गिनाते हुए कहा कि आज देश के सभी पब्लिक सेक्टर के बैंक का अच्छा परफॉर्मेंस हैं और मुनाफे में हैं। सीतारमण के मुताबिक, पब्लिक सेक्टर बैंक रिकॉर्ड 1 लाख करोड़ से ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। निर्मला सीतारमण ने देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का उदाहरण दिया।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में जयललिता को याद किया

भाजपा नेता व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि द्रमुक सदस्यों को महिलाओं के साथ अत्याचार पर बोलने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जयललिता की घटना को याद कर लेना चाहिए। उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पर हो रही चर्चा में शामिल होते हुए कहा कि द्रमुक सदस्य मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार की तुलना द्रौपदी चीरहरण से की है तो वह उन्हें याद दिलाना चाहेंगी कि 1989 में तमिलनाडु विधानसभा में सुश्री जयललिता की साड़ी खींची गयी थी। द्रमुक सदस्य तब उनका मजाक उड़ा रहे थे। मणिपुर पर बोलते समय द्रमुक सदस्य सुश्री जयललिता के साथ हुई घटना को भूल जाते हैं। उस घटना के बाद सुश्री जयललिता ने शपथ ली थी कि तब तक सदन में नहीं आएंगी जब तक सीएम नहीं बनेंगी। अपनी शपथ पूरी की और सीएम बनने के बाद ही सदन में आईं।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी लोकसभा से सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी लोकसभा से सस्पेंड, पीएम मोदी पर की थी विवादित टिप्पणी कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को लोकसभा से सस्पेंड कर दिया गया है। अधीर रंजन को लोकसभा से तब तक के लिए निलंबित कर दिया गया है, जब तक कि विशेषाधिकार समिति उनके खिलाफ अपनी रिपोर्ट पेश नहीं कर देती। जानकारी के मुताबिक ये मामला प्रिविलेज समिति के पास लंबित है। इस मामले में समिति जांच रिपोर्ट सौंपेगी, तब तक अधीर रंजन सदन से सस्पेंड रहेंगे। अधीर रंजन के निलंबन के लिए बीजेपी नेता प्रल्हाद जोशी ने एक प्रस्ताव पेश किया, जिसे संसद में स्वीकार कर लिया गया। प्रह्लाद जोशी ने अधीर रंजन चौधरी पर संसदीय कार्यवाही के दौरान लगातार व्यवधान पैदा करने और यहां तक कि देश और इसकी छवि को अपमानित करने का आरोप लगाया।

महात्मा गांधी के पड़पोते ने संभाजी भिड़े पर दर्ज कराई एफआईआर

पुणे, (एजेंसी)। महात्मा गांधी के पडपोते तुषार गांधी ने हिंदूवादी नेता संभाजी भिड़े के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। श्री शिवप्रतिस्ठान हिंदुस्तान के संस्थापक अध्यक्ष मनोहर उर्फ संभाजी भिड़े को उनके समर्थक भिड़े गुरुजी कहते हैं। उन्होंने हाल ही में अमरावती में आयोजित सभा में महात्मा गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। विदर्भ के दौरे पर आए भिड़े ने अमरावती के बडनेरा रोड इलाके में भारत मंगल हॉल में एक सभा में कहा था कि मोहनदास करमचंद गांधी के पिता मुस्लिम जमींदार थे। इस पर नाराजगी जताते हुए तुषार गांधी ने पुणे के डेक्कन पुलिस स्टेशन को दी शिकायत में कहा- भिड़े का बयान गांधी परिवार की महिलाओं का अपमान है। यह गांधी परिवार की सभी पीढ़ियों का अपमान है। भिड़े ने न केवल बापू के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया है, बल्कि उनके परिवार के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणी की है।

इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना: पहले चरण में 30 सितंबर तक होगा वितरण

छह शिविरों में 354 पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया

जयपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना का शुभारंभ किया। जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले में पहले तीन दिन तक पंजीकृत हुए 992 लाभार्थियों को गुरुवार को बिरला ऑडिटोरियम में स्मार्ट फोन का वितरण हुआ तो वहीं, जयपुर शहर में आयोजित कुल 6 शिविरों में 354 पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया। इस तरह अब तक जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले में योजना के तहत 1 हजार 346 महिलाओं को स्मार्ट फोन की सौगात दी जा चुकी है।

जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि योजना के पहले चरण के तहत आगामी 30 सितंबर तक जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले में कुल 22 स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय पर 6 शिविर तो वहीं, 16 शिविरों का आयोजन पंचायत समिति मुख्यालय पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लाभार्थी को शिविर में आते समय अपने साथ अपना जनाधार कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा जनाधार कार्ड में दर्ज मोबाइल फोन लाना आवश्यक होगा।

फोन पर मिलेगी लाभार्थी को सूचना

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं रविवार के अलावा जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले के सभी 22 शिविरों पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रत्येक शिविर में 200-200 लाभार्थियों को स्मार्ट फोन वितरित किया जाएगा। किस लाभार्थी को किस दिन किस समय किस शिविर में आना है इसकी सूचना लाभार्थी के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर कॉल एवं मैसेज द्वारा दी जाएगी। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के उपनिदेशक ऋतेश कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर में आईजीएसवाई पोर्टल पर लाभार्थी का ई-केवाईसी किया जाएगा। पोर्टल पर लाभार्थी का जनाधार नम्बर डालकर उसके विवरणों को सत्यापित किया जाएगा, सत्यापित होने की दशा में लाभार्थी द्वारा अपने साथ लाए गए मोबाइल फोन पर जनाधार ई-वॉलेट इंस्टॉल किया जाएगा।

विधायक के पुत्र ने बिजनेसमैन को किया किडनैप, एफआईआर

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने गुरुवार को शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक प्रकाश सुर्वे के बेटे राज सुर्वे के खिलाफ किडनैपिंग का केस दर्ज किया है। राज सुर्वे पर आरोप है कि उसने एक म्यूजिक कंपनी के सीईओ राजकुमार सिंह का फिरौती के लिए अपहरण किया। उधर, शिंदे गुट के दूसरे विधायक किशोर पाटिल के कार्यकर्ताओं पर एक पत्रकार की पिटाई करने का आरोप लगा है। संदीप महाजन नाम के पत्रकार ने आरोप लगाया है कि जलगांव बालिका हत्याकांड में सीएम एकनाथ शिंदे की आलोचना करने के बाद विधायक ने अपने समर्थकों से उनकी पिटाई करवाई। संदीप महाजन ने इस मामले में पचोर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस सुरक्षा की मांग की है। किशोर पाटिल ने उन्हें फोन कर गाली-गलौज भी किया था। सीईओ राजकुमार ने बताया कि उन्हें 9 अगस्त को उनके गोरेगांव ईस्ट स्थित ऑफिस से मारपीट कर किडनैप किया गया।

देवघर के आसपास मौजूद इन बेहतरीन जगहों को जरूर करें एक्सप्लोर, यादगार होगा ट्रिप

देशभर में सावन माह को अत्यंत पवित्र माह माना जाता है। सावन का महीना भगवान शिव को अतिप्रिय है। सावन के महीने में लाखों-करोड़ों भक्त गंगा जल भगवान शिव को अर्पित करने के लिए पवित्र और फेमस शिवालय में पहुंचते रहते हैं। वहीं झारखंड का देवघर भी एक ऐसा शहर हैं, जहां पौराणिक काल से भगवान शिव शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। हर साल लाखों भक्त जल अर्पित करने और दर्शन करने के लिए देवघर में पहुंचते हैं। ऐसे में अगर इस सावन आप भी देवघर जा रहे हैं और वहां की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए हैं। हम इस आर्टिकल के जरिए आपको देवघर की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

त्रिकूट पर्वत- अगर आप देवघर के आसपास किसी मनमोहक और खूबसूरत जगह जाना चाहते हैं। तो आपको त्रिकूट पर्वत को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यह पर्वत अपने हसीन और मनमोहक दृश्यों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। यह जगह वॉटरफॉल के लिए भी फेमस है। पर्वत के पास से निकलने वाली मयूराक्षी नदी बेहद खूबसूरत झरनों का निर्माण करती है। आप त्रिकूट पर्वत पर ट्रैकिंग और रोपवे का भी लुत्फ उठा सकते हैं। सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा आपको मिस नहीं करना चाहिए।

नौलाखा मंदिर- देवघर से करीब 2 किमी की दूरी पर नौलाखा मंदिर मौजूद है। यह मंदिर काफी ज्यादा फेमस और पवित्र है। बता दें कि यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी को समर्पित है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 9 लाख रुपए में कराया गया था। नौलाखा मंदिर 146 फीट ऊंचा है। इसके साथ ही यह मंदिर जंगलों के बीचो-बीच में होने से आसपास खुशनुमा नजारा देखने को मिलता है।

नंदन पहाड़- देवघर से कुछ दूरी पर नंदन पहाड़ मौजूद है। यह भले ही थोड़ा छोटा है, लेकिन देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत है। इसे एक खूबसूरत पार्क के रूप में भी जाता है। बता दें कि स्थानीय लोग इस स्थान पर पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं। इस पार्क में एक छोटा सा और खूबसूरत तालाब भी है। ऐसे में आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटीज भी कर सकते हैं। । नंदन पहाड़ अपने सनसेट और सनराइज के लिए भी काफी फेमस है।

तपोवन हिल्स और गुफाएं- देवघर के साथ-साथ इसके आसपास मौजूद अन्य शहरों में भी तपोवन हिल्स और गुफाएं काफी फेमस पर्यटक स्थान माना जाता है। यह जगह भगवान शिव के मंदिर के लिए भी काफी फेमस है। तपोवन हिल्स में कई सारी गुफाएं हैं। बताया जाता है कि इस गुफा में भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग भी स्थापित है। साथ ही इसी स्थान पर वाल्मीकि तपस्या करने के लिए पहुंचे थे। सावन में कुछ भक्त यहां पर जल अर्पित करने के लिए पहुंचते हैं।

Filmi तड़का

फैंस ने किया जेलर रजनीकांत को अप्रूव, क्लाइमैक्स पर रिएक्शन

मुंबई। जेलर का फर्स्ट रिव्यू आउट हो चुका है और फैंस रजनीकांत की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। फिल्म को देखने के लिए लोगों की कतार लग रही है। रजनीकांत के लिए लोग क्रेजी हो रहे हैं। फिल्म के बारे में कई लोगों ने सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन शेयर किया है। एक्टर के चाहने वालों ने फिल्म का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखा और अपने ओपिनियन शेयर किए। सिर्फ कुछ लोगों ने ही फिल्म के पहले पार्ट से शिकायत की है। फिल्म की कहानी रजनीकांत के ही ईर्द-गिर्द घूमती है। मुथुवल पंडियन एक सख्त लेकिन दिल हमदर्दी रखने वाला पुलिसवाला है। लेकिन उसकी जेल में एक कुख्यात कैदी है, जिसे जेल से भगाने के लिए साजिश की जा रही है। इस के लिए दुश्मन रजनीकांत के बेटे को परेशान कर दबाव डालते हैं। रजनीकांत इस फिल्म में एक ऐसे पिता की भूमिका में हैं, जिन्होंने अपने बेटे को सच्चाई के रास्ते पर हमेशा चलने के लिए प्रेरित किया है। लेकिन बाद में उन्हें ऐसे राज का पता चलता है, जिससे वो खुद दंग रह जाते हैं।

ब्लडी डैडी से ओटीटी पर बजा शाहिद कपूर का डंका

मुंबई। शाहिद कपूर को बॉलीवुड में दो दशक से ज्यादा समय हो चुका है और इस दौरान उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। इस साल उन्होंने निर्देशक राज एंड डीके की वेब सीरीज 'फर्जी' के साथ ओटीटी डेब्यू किया। फिर इसी साल जून में शाहिद कपूर की फिल्म ब्लडी डैडी भी ओटीटी पर रिलीज हुई। डेब्यू फिल्म और सीरीज से ही एक्टर ने ओटीटी पर तहलका मचा दिया है। उनकी वेब सीरीज फर्जी और फिल्म ब्लडी डैडी ओटीटी पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज और फिल्म बन चुकी हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने ओटीटी पर अपनी सफलता के बारे में खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि एक एक्टर के रूप में आप ये नहीं मान सकते कि आप एक स्टार हैं तो दर्शक आपको हर प्लेटफॉर्म पर पसंद करेंगे। ये प्लेटफॉर्म इस तरह से काम नहीं करता है। दर्शक बहुत ज्यादा समझदार हैं और वह फिल्मों और सीरीज के कंटेंट को लेकर भी बहुत स्पष्ट हैं।

12 गैंगस्टरों पर की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल, लखबीर शामिल

अमृतसर, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लॉरेंस बिश्नोई और बंबीहा गैंग के गैंगस्टरों के खिलाफ 2 सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की हैं, जिसमें 3 गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के हैं और 9 गैंगस्टर बंबीहा गैंग के बताए जा रहे हैं। कुल 12 गैंगस्टरों के खिलाफ यह चार्जशीट दाखिल की गई है। इससे पहले भी एनआईए ने 21 मार्च और 24 मार्च को दोनों गैंग के गैंगस्टरों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए अब तक 38 आतंकियों व गैंगस्टरों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इसमें खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह लंडा भी शामिल है। इसके अलावा 14 गैंगस्टर लॉरेंस गैंग और 12 गैंगस्टर बंबीहा गैंग के शामिल हैं। लॉरेंस गैंग के 3 गैंगस्टर लखबीर सिंह उर्फ लंडा, दिलिप कुमार बिश्नोई उर्फ भोला और सुरेंद्र सिंह उर्फ चीकू हैं, जबकि बंबीहा गैंग के 9 गैंगस्टर में सुखडूल सिंह उर्फ सुखा दुनेके, छेनू पहलवान, दलेर कोटिया, दिनेश गांधी, सन्नी डागर उर्फ विक्रम शामिल हैं।

लखबीर सिंह लंडा फरार गैंगस्टर है, जो गोल्डी बराड़ व लॉरेंस बिश्नोई के साथ पाकिस्तान में छिपे बैठे खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा का भी काफी करीबी है। लंडा कनाडा में छिपा हुआ है और वहीं से बिश्नोई गैंग के लिए आतंक व गलत कामों को संभाल रहा है। कनाडा में ही बैठ कर लंडा भारत में अपने गैंग के जरिए राजनेताओं, खिलाड़ियों और पंजाबी संगीत से जुड़े लोगों को धमकी देता और हत्याएं करवाता है। लंडा ने पाकिस्तान में छिपे आतंकी रिंदा के साथ मिल कर पंजाब के तरनतारन के सरहाली पुलिस स्टेशन पर आरपीजी हमला भी करवाया था। लंडा और रिंदा ने ही हमले के लिए हथियारों का इंतजाम किया था।

जनभावनाओं का रखें मान अन्यथा होगी करवाई

प्रखर पूर्वान्चल जौनपुर। रेल मंत्रालय के सलाहकार सदस्य शिशिर सिंह ने जौनपुर जंक्शन समेत जनपद के विभिन्न रेलवे स्टेशनों का व्यापक निरीक्षण किया ` अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित होने वाले जौनपुर जंक्शन पर उन्होने केंद्र सरकार द्वारा तय किये गए मानक और मौके पर उपलब्ध जन सुविधाओं का निरीक्षण किया ` यात्रियों से बात करने के दौरान पता चला की शौचालय में पानी और ड्रेनेज की उचित व्यवस्था नहीं है जिसपर उन्होंने तत्काल दुरुस्त करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया सफाई एवं रखरखाव की विशेष ध्यान रखने के लिए कहा बिल बुक ना उपलब्ध कराने के बाबत कैंटीन संचालक को फटकार भी लगाई साथ ही सभी विभागीय अधिकारियों को जन भावनाओं का हर हाल में सम्मान करने को कहा अथवा कार्यवाई के लिए तैयार रहने को कहा। निरीक्षण के दौरान पत्रकार बंधुओं से उन्होने कहा की भारत का रेल नेटवर्क विश्व के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेलवे

नेटवर्क्स में से एक है ये देश के हजारों शहरों और नगरों को परस्पर जोड़ते हुए लाखों लोगों को यातायात का एक महत्वपूर्ण साधन उपलब्ध कराता है पिछले नौ वर्षों से भारतीय रेल के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चल रही है इसके अंतर्गत आधारभूत ढांचे, तकनीक और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बीते 06 अगस्त को राष्ट्र को समर्पित की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों की पुनर्सज्जा, नई रेलवे लाइनें बिछाने, शत-प्रतिशत विद्युतीकरण और यात्रियों एवं परिसंपत्तियों की संरक्षा को बढ़ाने जैसी व्यापक गतिविधियां शामिल हैं साथ ही इस योजना के मुख्य उद्देश्य होंगे ` स्टेशनों का सिटी सेंटरों के रूप में विकसित करना, शहर के दोनों छोरों का एकीकरण करना, स्टेशन भवनों का सुधार व पुनर्विकास, आधुनिक यात्री सुविधाओं का प्रावधान, बेहतर यातायात व्यवस्था और इंटरमोडल इंटीग्रेशन, मार्गदर्शन के लिए एक-समान और सहायक सूचक चिन्ह, मास्टर प्लान में उचित संपत्ति विकास का प्रावधान, लैंडस्केपिंग, स्थानीय कला और संस्कृति को उजागर करना ` इस योजना के अंतर्गत जौनपुर जनपद के अन्य स्टेशन जैसे की जंघई , शाहगंज एवं जफराबाद जंक्शन भी विकसित किये जाएँगे निरीक्षण उपरांत वे रेल अधिकारियों से सीमित संसाधनों के बावजूद जन सुविधाओं के रखरखाव हेतु किये जा रहे प्रयासों से संतुष्ट दिखे। जौनपुर जंक्शन के निरीक्षण उपरांत शिशिर सिंह ने जौनपुर सिटी एवं जफराबाद का भी निरीक्षण किया एवं वहाँ उपलब्ध जन सुविधाएँ जाँची और आम जनता से संवाद कर उनकी समस्यों को जाना। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डॉ० आर के सिंह , प्रभाकर त्रिपाठी , जौनपुर स्टेशन के अधीक्षक उदय सिंह कमर्शियल इंस्पेक्टर सुबोध विश्वकर्मा, इंस्पेक्टर आर पी एफ अमित सागर, इंस्पेक्टर जी आर पी वीरेंद्र सोनकर एवं अन्य विभागीय अधिकारी रहे।

जंक्शन समेत अन्य स्टेशनों का रेल मंत्रालय के सदस्य ने किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। रेल मंत्रालय के सलाहकार सदस्य शिशिर सिंह ने आज जौनपुर जंक्शन समेत जनपद के विभिन्न रेलवे स्टेशनों का व्यापक निरीक्षण किया । अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित होने वाले जौनपुर जंक्शन पर उन्होने केंद्र सरकार द्वारा तय किये गए मानक और मौके पर उपलब्ध जन सुविधाओं का निरीक्षण किया, यात्रियों से बात करने के दौरान पता चला की शौचालय में पानी और ड्रेनेज की उचित व्यवस्था नहीं है जिसपर उन्होंने तत्काल दुरुस्त करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया , सफाई एवं रखरखाव की विशेष ध्यान रखने के लिए कहा, बिल बुक ना उपलब्ध कराने के बाबत कैंटीन संचालक को फटकार भी लगाई। निरीक्षण के दौरान पत्रकार बंधुओं से उन्होने कहा की भारत का रेल नेटवर्क विश्व के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेलवे नेटवर्क्स में से एक है. ये देश के हजारों शहरों और नगरों को परस्पर जोड़ते हुए लाखों लोगों को यातायात का एक महत्वपूर्ण साधन उपलब्ध कराता है. पिछले नौ वर्षों से भारतीय रेल के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चल रही है. इसके अंतर्गत आधारभूत ढांचे, तकनीक और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते 06 अगस्त को राष्ट्र को समर्पित की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों की पुनर्सज्जा, नई रेलवे लाइनें बिछाने, शत-प्रतिशत विद्युतीकरण और यात्रियों एवं परिसंपत्तियों की संरक्षा को बढ़ाने जैसी व्यापक गतिविधियां शामिल हैं. साथ ही इस योजना के मुख्य उद्देश्य होंगे, स्टेशनों का सिटी सेंटरों के रूप में विकसित करना, शहर के दोनों छोरों का एकीकरण करना, स्टेशन भवनों का सुधार व पुनर्विकास, आधुनिक यात्री सुविधाओं का प्रावधान, बेहतर यातायात व्यवस्था और इंटरमोडल इंटीग्रेशन, मार्गदर्शन के लिए एक-समान और सहायक सूचक चिन्ह, मास्टर प्लान में उचित संपत्ति विकास का प्रावधान, लैंडस्केपिंग, स्थानीय कला और संस्कृति को उजागर करना । इस योजना के अंतर्गत जौनपुर जनपद के अन्य स्टेशन जैसे की जंघई , शाहगंज एवं जफराबाद जंक्शन भी विकसित किये जाएँगे।

कलयुग में धर्म ही सबसे महत्वपूर्ण है : पं संतोष मिश्रा

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। श्री राम लाल बह्मबाबा मंदिर झाझूपुर में भागवत कथा का आज सातवां दिन में परमश्रद्धेय पं संतोष मिश्रा जी के मुखारविंद से कहा गया कि कलयुग में धर्म ही सबसे महत्वपूर्ण है। धर्म की रक्षा मानव जीवन में की रक्षा करना काम हैं। क्योंकि जब भी प्रभु का अवतार यहां पर हुआ है। धर्म कि रक्षा के लिए हुआ है। यही बात रामाणय में गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है।

जब जब होई धर्म के हानि।
बाढय असुर अधम अभिमानी।।

यही बात भागवत मे भी लिखा गया है। यहां आज विशाल भंडारा का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य रूप से संकल्पित गिरीश तिवारी ने बताया

कि महाराज जी द्वारा यहां पर चौथा बार भागवत कथा का आयोजन किया गया।तथा साथ साथ सुबह रूद्राभिषेक भी कराया जाता था। यहां के पुजारी संतोष बाबा जायता तिवारी वीरेंद्र तिवारी प्रदीप तिवारी मनीष तिवारी बृजनंदन तिवारी विपिन तिवारी शुभम तिवारी नन्हें सिह बाबा सिह पप्पू सिंह आशीष तिवारी राजा मोनू भीभ शंकर राज विशाल आदि ग्रामवासी क्षेत्रवासियों का सहयोग रहा।

मेरी माटी मेरा देश के तहत भाजयुमों ने किया नगर में वृहद पधारोपण का आयोजन

प्रखर रामनगर वाराणसी। देश की यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आवाहन पर व मेरी माटी मेरा देश के तहत एवं स्वतंत्रता दिवस के महापर्व आजादी के अमृत महोत्सव समापन कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा रामनगर मंडल अध्यक्ष अर्जुन शर्मा योगी के नेतृत्व में मण्डल रामनगर में आज से 15 अगस्त तक नगर में वृहद पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा जिसमें भिन्न भिन्न स्थानों जैसे सरकारी संस्थानों व खाली स्थानों सड़कों पर पौधा लगाकर आजादी के अमृत महोत्सव समापन कार्यक्रम मनाया जाएगा। आज पुराना रामनगर वार्ड के कोदोपुर में भिन्न भिन्न स्थानों पर

10 पौधों का रोपण किया गया मण्डल अध्यक्ष अर्जुन शर्मा योगी ने कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस एवं आजादी के अमृत महोत्सव समापन कार्यक्रम पर प्रधानमंत्री के आवाहन पर मेरी माटी मेरा देश के तहत प्रकृति संरक्षण एवं पेड़ पौधों के रक्षा हेतु नगर में जहां जहां नए पौधे लगाए जा रहे हैं वहां उनकी सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम युवा मोर्चा करेगा जैसे जाली नुमा बनवाकर पेड़ को संरक्षित एवं सुरक्षित करने का प्रयास करेगा पौधारोपण करने के उपरांत मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत जिस तरह से देश के कोने कोने से अमृत वाटिका बनाने के लिए अमृत कलश के माध्यम से मिट्टी दिल्ली जाएगी उसी प्रकार रामनगर के भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लेंगे अमृत वाटिका के माध्यम से मिट्टी को कलश में भरकर लखनऊ भेजें जाएंगे फिर लखनऊ से दिल्ली को जाएगी।

कायस्थ महासभा ने खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर किया गोष्ठी का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर शहीद खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व महासभा के सभी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर देश की आजादी की रक्षा करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने खुदी राम बोस के क्रांतिकारी विचारों की चर्चा करते हुए कहा कि वह देश की आजादी के लिए फांसी पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के क्रान्तिकारी देशभक्त थे। वह पहले क्रांतिकारी थे जिन्हें फांसी की सजा सुनाई गई। उन्होंने भारत में ब्रिटिश शासन का विरोध किया था सत्येन बोस के नेतृत्व में उन्होंने अपना क्रान्तिकारी जीवन की शुरूवात की थी । खुदी राम बोस जी स्कूल के समय से ही राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने लगे थे। वह? जलसों और जुलूसों में बढ़-चढ़ कर शामिल होते थे और अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ नारे लगाते थे। उन्होंने 9वीं कक्षा के बाद ही पढ़ाई छोड़ दी और वह जंग-ए-आजादी में कूद पड़े। स्कूल छोड़ने के बाद वह रिवोल्यूशनरी पार्टी के सदस्य बन गये । उन्होंने कहा कि हमें आज शहीद खुदीराम बोस के रास्ते पर चलकर साम्प्रदायिकता और जातिवाद तथा भूमंडलीकरण एवं वैश्वीकरण की नीतियों के चलते पुनः गुलामी की ओर बढ़ रहे देश को बचाना होगा। उन्होंने कायस्थ समाज की गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि अब हमें अपने साथ हो रहे अन्याय,उपेक्षा और अत्याचार के खिलाफ भी मुखर होना पड़ेगा । हमारी खामोशी ही हमारा सबसे बड़ा गुनाह है । अब हमें सड़कों पर उतरकर अपनी एकता और ताकत का प्रदर्शन करना होगा। इस गोष्ठी में मुख्य

रूप से अरुण सहाय, अनूप कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव , अर्पित श्रीवास्तव, हर्ष श्रीवास्तव, अभिषेक, प्रियांशु, हिमांशु, मेघा श्रीवास्तव, पियूष श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव एडवोकेट, अमरनाथ श्रीवास्तव, अमर सिंह राठौर, सत्यप्रकाश, विपुल, अतुल , परमानन्द श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

घनश्याम सिंह पीजी कॉलेज में मेरी माटी मेरा देश, माटी का नमन वीरों का वंदन का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नेहरू युवा केंद्र वाराणसी, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, सीआरपीएफ, एयर फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में घनश्याम सिंह पीजी कॉलेज लालपुर वाराणसी में मेरी माटी मेरा देश, माटी का नमन वीरों का वंदन का आयोजन किया गया` इस अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ,एयर फोर्स, नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवक ,विद्यालय के बच्चों द्वारा झंडारोहण के पश्चात विभिन्न स्थलों से लाई गई मिट्टी को हाथ में लेकर पांच प्रण की शपथ ली गई तत्पश्चात अमृत कलश में एकत्रित किया गया विद्यालय परिसर में अमृत वाटिका की स्थापना शहीदों के परिजन उनकी वीर नारियों के द्वारा पौधारोपण कर किया गया सभा कक्ष में माटी का नमन एवं वीरों का बंदन कार्यक्रम में शहीद सीआरपीएफ जवान स्वर्गीय राम अवध की पत्नी राधिका देवी, स्वर्गीय विनोद कुमार की पत्नी उषा देवी ,स्वर्गीय राजेश कुमार की पत्नी इंदु देवी एवं कारगिल कारगिल युद्ध के दौरान दुश्मनों की गोली से घायल हुए जवान अजय सिंह को सम्मानित किया गया सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए नागेश्वर सिंह प्रबंधक ने कहा कि सभी एक ही मिट्टी में पैदा हुए हैं वह हम सभी के लिए पूजनीय है मातृभूमि की रक्षा में वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर देश की सुरक्षा का दायित्व निभाकर अपनी माटी का कर्ज तो

तो चुका दिया किंतु अब हम सभी को दिए गए दायित्व का बखूबी निर्वहन कर माटी का कर्ज चुकाना है` सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडर विनोद कुमार सिंह ने कहा कि हम जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हैं मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का उद्देश्य देशवासियों में शहीदों की शहादत को नमन करना है और भविष्य में आजादी के परवानों से उदाहरण लेकर अपने जीवन में आत्मसात करना है आज हम स्वतंत्रता की सांस इसलिए ले रहे हैं कि हमारे जवान प्रतिपल सीमा एवं जनता की सुरक्षा में लगे रहते हैं जिन्हें खुद पता नहीं कि अगले पल दुश्मन की गोली का कब शिकार हो जाए उन्होंने समापन भाषण में कहा कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेरे वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगा भारतीय वायुसेना के वांट ऑफिसर करतार सिंह ने कहा कि मिट्टी अपने आप में शरीर होती है मिट्टी मैं मिलने से पहले हमारा कर्तव्य है कि जीते जी इस कर्ज को चुका दें इसके पूर्व नेहरु युवा केंद्र वाराणसी के उपनिदेशक कपिल देव ने सभी का स्वागत किया तथा मेरी माटी मेरा देश तथा माटी का नमन वीरों का बंधन कार्यक्रम की अवधारणा पर विस्तृत प्रकाश डाला` संचालन सुनील मिश्रा प्रवक्ता ने किया तथा नेहरू युवा केंद्र के लेखा एवं कार्यक्रम सहायक सुभाष चंद्र प्रसाद ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया इस अवसर पर डॉक्टर पी एस बसाक ,संजीव सिंह प्रशासक , सीआरपीएफ, एयर फोर्स के जवान ,नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक , विद्यालय के छात्र , शिक्षकगण उपस्थित थे।

एक साल में नहीं बन सकी महज 650 मीटर सड़क, सिटी स्टेशन पहुंचना यात्रियों को पड़ रहा भारी

प्रखर जौनपुर। नगर के पालिटेकनिक चैराहे से सिटी स्टेशन की सड़क खन्दक से भी बदतर हो गयी है। इसे पार करने में जहां नाकों चना चबाना पड़ता है वहीं जाम में घंटों फसंकर लोग प्रशासन को कोसते देखे जा रहे है। विगत साल सिटी स्टेशन और पॉलिटेक्निक चौराहे को जोड़ने वाला भदोही मार्ग के चौड़ीकरण का काम शुरू हुआ था। मण्डी अहमद खां मोहल्ले में चौड़ीकरण का काम पूरा हो गया दोनों तरफ नालियां भी बना दी गयी लेकिन ओवर ब्रिज से सड़क निर्माण मात्र 650 मीटर बनाने के लिए 12 महीने भी कम पड़ गये। काम की गति इतनी धीमी है कि पिछले 12 दिनों से सड़क बनाने की मशीन खड़ी है वह हिली भी नहीं। काम पूरी तरह से अवरूद्ध पड़ा है। सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि हर तरफ गड्ढे ही गड्ढे है कही कही तो चार फिट से अधिक गहरा है और उसमे पानी भरा

है। थोड़ी सी बरसात में फिसलन बड़ जाने से न जाने कितनो के हांथ पैर टूट चुके है, वाहन फस कर उसमें दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है। पूरी सड़क नाली के पानी और कीचड़ से भरी है। आये दिन दुर्घटनायें हों रही है। चौड़ीकरण के लिए दुकाने और मकान ध्वस्त किये गये लेकिन मलवा नहीं हटवाया गया है और मलवा टीले के रूप में मार्ग में अभी भी अवरोधक बना हुआ है। अगल बगल नाली का पानी बहता रहता है इससे जाम लगा रहता है। विगत दिनों एक स्कूल की बस तीन घण्टे जाम में फंस गयी थी,मरीजों की एंबुलेंस भी घंटो फसी रहती है। सड़क खोद दिये जाने से पेयजलापूर्ति महीनों से बाधित है। इतना ही नहीं सड़क के बीच खंभों के तार नीचे लटक रहे है। नाम मात्र के नये खंभे लगाये गये है। पुराने खंबे जर्जर हालत में वैसे ही खड़े. है जो कभी भी जानलेवा बन सकते है।अहमद खां मंडी मोहल्ले के नेयाज अहमद खान और डॉक्टर रजी अहमद ने बताया कि जाम से लोगों को भारी परेशानी हो रही है। सड़क के दाहिने तरफ पानी की आपूर्ति महीनो से ठप है। दुकानदारों का नुकसान हो रहा है लेकिन कोई निरीक्षण कर स्थिति सुधारने की पहल करने वाला नहीं दिखाई दे रहा है। यही नहीं आए दिन ई रिक्शा गिरने से सवारियां घायल हो रही है। किनारे बनी नालियों पर पैदल चलने वालो के लिए अतिक्रमणकारिओ का सामना करना पड़ता है ,लोगो ने नाली पर निर्माण करके पैदल चलने वाले रास्ते को भी अवरुद्ध कर दिया है,दिन भर टेंपो रिक्शा और मोटर साइकिल वाले गलियों से भागते रहते है जिससे मोहल्ले वासियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।अभी दो महीने पहले जिलाधिकारी सहित मंत्री गिरीश ने भी उक्त सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया था लेकिन उसके बावजूद भी कार्य कच्छप गति से ही आगे बड़ रहा है, यही नही अगल बगल फल व सब्जी के ठेले वाले भी जाम लगाए रहते है,वही पड़ाव के टेंपो भी आधी सड़क को अतिक्रमण की चपेट में लिए हुए है।

भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के वैज्ञानिकों द्वारा बैगन व सहजन के पौधों का वितरण

प्रखर वाराणसी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के निदेशक डॉ तुषार कांति बेहेरा के दिशा-निर्देश मे अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत ग्राम सभा गौरैया में बैंगन किस्म काशी उत्तम, काशी उत्सव और काशी मनोहर व सहजन किस्म पीकेएम - 1 के पौधो का वितरण किया गया तथा किसानों द्वारा उगाई गयी विभिन्न फसलों का निरीक्षण किया गया जिसका कि बीज पूर्व मे संस्थान द्वारा उपबलब्ध कराया गया था इस अवसर पर भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी के कार्यकारी निदेशक व विभागाध्यक्ष डॉ एन राय द्वारा सहजन के पोषण तत्वों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गयी` प्रधान वैज्ञानिक डॉ त्रिभुवन चौबे द्वारा भारत सरकार के अनुसूचित जाति उप योजना के तहत अनुसूचित जाति के किसानो की आय और आजीविका मे वृद्धि करने के प्रयासो के बारे मे जानकारी दी और किसानो को इन योजनाओ का लाभ उठाने का आग्रह किया` वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शैलेश कुमार तिवारी व डॉ. जयदीप हालदार ने बैगन की उत्पादन तकनीक और

कीट नियन्त्रण के बारे मे जानकारी दी इस अवसर पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार सिंह, वैज्ञानिक डॉ राजीव कुमार व डॉ सुहास करकुटे, वाई पी सर्वेश मिश्र ने सब्जी की उत्पादन तकनीकों के बारे के विस्तृत जानकारी दी` इस अवसर पर गौरैया ग्राम सभा के प्रधान धनंजय मिश्र ने अपने विचार व्यक्त किए तथा नागेन्द्र तिवारी व अन्य किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जियालाल बोरिंग वर्क्स का उद्घाटन हुआ संपन्न

प्रखर वाराणसी। जियालाल बोरिंग वर्क्स का उद्घाटन संपन्न हुआ उद्घाटन की मुख्य अतिथि पार्षद कुसुम पटेल द्वारा फीता काटकर संपन्न कराया गया जिसमें मुख्य अतिथि रोहित राजभर आदित्य कुमार बैजनाथ कुमार अनिता पटेल अपना दल अध्यक्ष धर्मराज पटेल जी उद्घाटन में उपस्थित रहे हमारे यहां लोगों को उचित दामों पर और सुविधाजनक मूल्य पर बोरिंग से संबंधित सारी सामग्री उपलब्ध कराई जाती है एक बार सेवा का मौका अवश्य दें प्रतिष्ठान मीरापुर बसही गांधी चबूतरा टकटकपुर रोड पर स्थित है वाराणसी के ग्राहकों से अनुरोध है की एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

राष्ट्रीय मानवाधिकार रक्षा बोर्ड द्वारा 15 अगस्त को अमर शहीदों के नाम, कवियों, कलाकारों का प्रोग्राम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वरूणा पुल, कचहरी के अडिग सभागार में भारत वर्ष की स्वतंत्रता के लिए अपने आपको बलिदान देकर हम सबको स्वतंत्रता दिलाने वाले अमर शहीदों की स्मृति में 15 अगस्त 2023 को सायं 3 बजे से राष्ट्रीय मानवाधिकार रक्षा बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव अनुज दूबे के प्रमुख संयोजन में कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक के प्रमुख संरक्षण संचालन में अमर शहीदों के नाम, कवियों -कलाकारों का प्रोग्राम एवं मानव समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को वन्देमातरम् सम्मान -2023 मंचीय एवं आनलाईन भेंट किया जाएगा` विशेष रूप से युवा एवं बाल कवियों, कलाकारों द्वारा काव्य, गायन, क्लासिकल एण्ड वेस्टर्न डांस, नृत्य आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन होगा। विशेष जानकारी या आयोजन में सहभागी बनने के लिए मोबाईल नम्बर 9889551103 पर संपर्क किया जा सकता है यह जानकारी मिडिया प्रभारी ध्रुव दुबे ने दी है।

पुलिस अधीक्षक ने ली परेड की सलामी निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा पुलिस लाइन गाजीपुर के ग्राउंड में परेड की सलामी ली गई तथा इसके बाद परेड का निरीक्षण किया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा परेड ड्रील का अभ्यास किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न थानों से आई हुई पुलिस की गाड़ियों का निरीक्षण कर उनमें रखे गए सुरक्षा संबंधी उपकरणों को चेक किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा डॉयल 112 की गाड़ियों का निरीक्षण कर गाड़ियों का रिस्पांस टाइम जाना गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन में स्थित विभिन्न शाखाओं का तथा पुलिस लाइन में हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। परेड के दौरान सभी जवानों को बाधा दौड़, बीम, रस्सी चढ़ाई, मंकी रोप इत्यादि की ट्रेनिंग दी गई।

महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कालेज के नए अस्पताल में पर्ची वितरण का हुआ शुभारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। महर्षि विश्वामित्र स्वशासीय मेडिकल कालेज गाजीपुर के नए अस्पताल में मरीजों की पर्ची वितरण का कार्य शुरू हो गया। इस संबंध में मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर डा. आनंद मिश्रा ने बताया कि मरीजों के परेशानियों को देखते हुए नये अस्पताल में पर्ची काउंटर का शुभारंभ हो गया है। अब मरीज नये पर्ची काउंटर से पर्ची कटाकर तुरंत अपने चिकित्सक से इलाज करा सकते हैं। उन्होने यह बताया कि एक सप्ताह के अंदर नये अस्पताल में ही दवा वितरण का भी शुभारंभ हो जायेगा। उन्होने बताया कि मेडिकल कालेज में अभी तक नये सत्र के लिए 82 छात्र-छात्राओं को एडमिशन हो गया है उनका शिक्षण कार्य एक सितंबर से शुरू हो जायेगा।

छात्र छात्राओं को हक और अधिकार के प्रति किया गया जागरूक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। स्टूडेंट पुलिस कैडेट्स (एसपीसी) कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय मंगारी हुए कार्यक्रम में छात्राओ को उनके हक और अधिकार के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के तहत छात्रों और छात्राओ को महिला एवं बाल सुरक्षा, महिला एवं बाल हिंसा को रोकने के लिए उठाए गए वैधानिक कदम ,मिशन शक्ति के अन्तर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ , पॉस्को ऐक्ट यातायात के नियमों इत्यादि के विषय में जानकारी दी गयीं। बच्चों ने बड़े ही उत्साह से इस चर्चा-परिचर्चा/कार्यक्रम में प्रतिभाग किया ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं